सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" दुनिया में सबसे कीमती दौलत वही लोग होते हैं
जिनके पास बैठक दिल हल्का करने के लिए शब्द ढूंढने नहीं पड़ते ...!!
अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-249 • संपादक आलोक तिवारी • दुर्ग, रविवार 27 सितंबर 2026 • पृष्ठ 08 • मूल्य -2 रुपए

एसआईआर पर चुनाव आयोग की सफाई पर कांग्रेस का पलटवार

जयराम रमेश ने दागे 6 सवाल

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर चुनाव आयोग की सफाई के बाद कांग्रेस ने जोरदार पलटवार किया है। महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर प्रेस नोट जारी कर 6 तीखे सवाल उठाए।

कांग्रेस के 6 बड़े आरोप

1. खंडन नहीं: आयोग ने मीडिया रिपोर्ट का सीधा खंडन नहीं किया, सिर्फ कमतर दिखाने की कोशिश की।

2. गोवा केस: 97 हटाए गए वोटरों में से 81 ने फॉर्म-6 भरा। अगर सिस्टम की खामी से नाम हटे तो जिम्मेदार कौन?

3. SC आदेश का गलत हवाला: आयोग ने 27 मई 2026 के आदेश का हवाला दिया, जो नए खुलासों से पहले का है। यह टारगेटेड डिलीशन का जवाब नहीं।

4. भेदभाव: दिल्ली-महाराष्ट्र में डेडलाइन बढ़ी, पर कर्नाटक, तेलंगाना, बिहार, बंगाल के वोटरों का क्या?

5. ECI नेट की जांच: तकनीकी कमेटी से सवाल नहीं सुलझेगा, असली चिंता वोटर जोड़ने की प्रक्रिया के केंद्रीकरण को लेकर है।

6. Gen Z पर बोझ: फॉर्म-6 में पहली बार वोटरों से माता-पिता के पुराने रक्फ़रिकॉर्ड मांगना गैरकानूनी और मतदान में बाधा है।

कांग्रेस ने मांग की है कि जब तक SIR प्रक्रिया नहीं रोकी जाती और मुख्य चुनाव आयुक्त पर कार्रवाई नहीं होती, लड़ाई जारी रहेगी।

झीरम न्याय अभी भी अधूरा

NIA फैसले के बाद कांग्रेस का दिल्ली में मंथन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-नईदिल्ली

झीरम हमले पर ठकअ विशेष अदालत का फैसला आने के बाद भी मुख्य षडयंत्रकारी सजा से दूर हैं। कांग्रेस ने इसे अधूरा न्याय बताते हुए लड़ाई जारी रखने का ऐलान किया है।

इस मुद्दे और आगे की रणनीति को लेकर छत्तीसगढ़ प्रभारी सुखदेव भगत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, राज्यसभा सांसद फूलोदेवी नेताम, प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू, पूर्व अकुउ सचिव राजेश तिवारी सहित वरिष्ठ नेताओं ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की।

बैठक में पीड़ित और शहीद परिवारों की ओर से विधायक उमेश पटेल, पूर्व विधायक अनीता शर्मा, छविंद्र कर्मा, जितेंद्र मुदलियार, सत्तार अली, शिव सिंह ठाकुर, चंद्रभान झाड़ी और विधिक सलाहकार सुदीप श्रीवास्तव मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने कहा जब तक शहीदों और पीड़ित परिवारों को संपूर्ण न्याय नहीं मिलता, न्याय की लड़ाई जारी रहेगी।

फिल्म समीक्षा

हनुमान अंश - जब माँ की खोज राम तक पहुँचती है

संदीप सिंह / रायपुर

हनुमान अंश केवल एक संत की जीवन-कथा नहीं, एक बच्चे के भीतर करुणा के जन्म की कथा है। फिल्म का सबसे कोमल सूत्र यही है कि एक बच्चे के लिए 'राम के पास जाना' धर्म का प्रश्न नहीं, माँ तक पहुँचने का प्रश्न है।

कथा का मूलः बालक को बताया जाता है माँ राम के पास चली गई हैं। वयस्कों के लिए यह सांत्वना का वाक्य है, बच्चे के लिए यात्रा का निमंत्रण बन जाता है। मृत्यु उसके लिए पता बन जाती है। पिता का दूसरा विवाह उसके घर को पराया कर देता है। जहाँ माँ नहीं, वहाँ मेरा ठौर नहीं - इसी मौन निर्वासन से वह घर से निकलता है।

निर्देशक ने भटकाव को बहुत सादगी से दिखाया है। गाँव, रास्ते, जंगल, मंदिर, साधु - भूगोल बदलता है पर प्रश्न वही रहता है - क्या माँ यहाँ है? क्या राम यहाँ हैं? 'ठौर' - फिल्म का सबसे सुंदर शब्दः समीक्षक के रूप में हमें लगा कि फिल्म की सबसे बड़ी उपलब्धि 'ठौर' शब्द को अर्थ देना है। घर दीवारों से बनता है, ठौर विश्वास से। स्थान शरीर को टिकाता है, ठौर मन को। जिसे संसार ने ठिकाना नहीं दिया, उसे ईश्वर ने ठौर दे दी।

फिल्म बताती है कि भक्ति शास्त्र से नहीं, वियोग से पैदा होती है। माँ रहतीं तो राम मूर्ति होते, माँ चली गईं तो राम खोज बन गए। जीवन जहाँ रिक्तता बनाता है, वहीं से अर्थ जन्म लेता है। यह फिल्म बताती है कि ईश्वर की खोज हमेशा ईश्वरेच्छा से नहीं, मनुष्य के वियोग से शुरू होती है। अंत में बच्चे को माँ नहीं मिलती, पर वह आश्रय मिल जाता है जहाँ माँ की स्मृति भी अनाथ नहीं रहती। ईश्वर का सबसे मानवीय नाम शायद 'ठौर' ही है।

डॉ. मनमोहन सिंह - मौन साधक से महा-नायक तक : वो अर्थशास्त्री जिसने भारत को दिवालिया होने से बचाया

आलोक तिवारी / नईदिल्ली

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का जाना सिर्फ एक नेता का जाना नहीं, एक युग का अंत है। उन्हें विरोधियों ने 'मौन मोहन' और 'एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर' कहा, पर इतिहास उन्हें भारत के सबसे ईमानदार और दूरदर्शी प्रधानमंत्री के रूप में याद करेगा।

विभाजन की आग से ऑक्सफोर्ड तक

जन्म 26 सितंबर 1932, झेलम जिले के गाह गांव में। बचपन में मां का देहांत, 1947 में दंगों में दादाजी की हत्या और घर राख। अमृतसर में शरणार्थी के रूप में पढ़ाई, मोमबत्ती की रोशनी में पढ़कर पंजाब यूनिवर्सिटी टॉपर बने। कैम्ब्रिज में स्कॉलरशिप, ऑक्सफोर्ड से http://D.Phil. - जहां आर्थिक तंगी में दिन भर चॉकलेट पर रहे।

1991 - जब देश का सोना गिरवी था

खाड़ी युद्ध से तेल महंगा, विदेशी मुद्रा सिर्फ 15 दिन की। चंद्रशेखर सरकार को 67 टन सोना बैंक ऑफ इंग्लैंड में गिरवी रखना पड़ा। तब पीवी नरसिम्हा राव ने उन्हें वित्त मंत्री बनाया। 24 जुलाई 1991 का बजट - लाइसेंस राज खत्म, LPG उदारीकरण शुरू। भारत 3% की हिंदू ग्रोथ रेट से निकलकर 8-9% की महाशक्ति बना।

10 साल का राज - दो तस्वीरें

2004 में सोनिया गांधी के इनकार के बाद 22 मई को PM बने। पहली तस्वीर - NAC के कारण सत्ता के दो केंद्र का आरोप। दूसरी तस्वीर - असली सुधारक। RTI 2005 ने आम आदमी को सरकार से सवाल पूछने की ताकत दी, मनरेगा ने 13 करोड़ परिवारों को 100 दिन के रोजगार की गारंटी दी, खाद्य सुरक्षा कानून और शिक्षा का अधिकार।

उनका सबसे साहसिक फैसला - 2008 की भारत-अमेरिका परमाणु डील। लेफ्ट ने समर्थन वापस लिया, सरकार गिरने की कगार पर थी, पर वे अड़े रहे। आज भारत उसी डील से न्यूक्लियर एनर्जी ले रहा है।

आलोचना और असलियत

26/11 के बाद पाकिस्तान पर कार्रवाई न करने का आरोप और शर्म-अल-शेख में संयुक्त बयान विवादास्पद रहा। दूसरा कार्यकाल 2G, कोयला आवंटन घोटालों से घिरा। लेकिन उइक कोर्ट ने 2017 में 2G के सभी आरोपी बरी किए और खुद डॉ. सिंह पर एक पैसे के भ्रष्टाचार का आरोप कभी सिद्ध नहीं हुआ।

सबसे सादे प्रधानमंत्री

PM आवास में भी मारुति 800, नीली पगड़ी, तीन बटन वाला नीला सूट। 2005 में संसद में 1984 सिख दंगों के लिए देश से माफी - किसी PM का सबसे भावुक क्षण।

26 दिसंबर 2024 को एम्स में 92 वर्ष में अंतिम सांस। वे बोलते कम थे, पर उनके फैसले आज भी भारत की अर्थव्यवस्था को चला रहे हैं। मौन रहकर भी सबसे ज्यादा काम करने वाले प्रधानमंत्री।

5 साल की बच्ची से दुष्कर्म के दोषी को आजीवन कारावास, विशेष कोर्ट ने सुनाई सजा, लगाया 13 हजार का अर्थदंड

दुर्ग। थाना उतई में 10 अप्रैल 2026 को दर्ज 4.5 वर्षीय बालिका से लैंगिक अपराध के मामले में विशेष न्यायालय पॉक्सो दुर्ग ने आरोपी धनेंश्वर साहू उर्फ जनता (40) निवासी बंजारीपारा उतई को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास सहित विभिन्न धाराओं में 7 वर्ष, 10 वर्ष और 7 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। पुलिस ने 11 अप्रैल को आरोपी को गिरफ्तार कर 25 अप्रैल को चालान पेश किया था। कोर्ट ने 25 सितंबर को दोषसिद्ध कर 26 सितंबर को सजा सुनाई और कुल 13,000 रुपये अर्थदंड भी लगाया।

भिलाई टाउनशिप आवास विवाद

बैठक में सेवानिवृत्त कर्मचारियों का फूटा आक्रोश, निगम चुनाव लड़ने का ऐलान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

बढ़े किराए, नोटिस और आवास नीति को लेकर सेवानिवृत्त कार्मिक कल्याण संघ ने भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। शनिवार को सिविक सेंटर पायोनियर मॉन्यूमेंट में हुई बैठक में संघ ने कहा दुगार्पुर, बोकारो, राउरकेला की तरह भिलाई में भी समान नीति लागू हो, भिलाई के साथ सौतेला व्यवहार बंद हो।

संघ की मांग है किराया 24 रुपये प्रति वर्गफुट से कम किया जाए, खाली कराने के नोटिस बंद हों, मुद्रीकरण नीति में बदलाव हो और आचार संहिता से पहले लिखित आदेश जारी हो। मांग पूरी नहीं होने पर संघ निगम चुनाव में वार्डों से प्रत्याशी उतारेगा, महापौर पद के लिए सुमन कन्यौजे का नाम तय किया गया है। संघ अध्यक्ष सुरेश चंद ने कहा हमें लिखित समाधान चाहिए, मौखिक आश्वासन नहीं।

राजनांदगांव में कल नि :शुल्क महिला कैंसर जांच शिविर का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

महिलाओं में बढ़ते ब्रेस्ट और सर्वाइकल कैंसर को लेकर सुंदरा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं वी वाई हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में चौथा निःशुल्क महिला कैंसर जांच एवं परामर्श शिविर 28 सितंबर सोमवार को आयोजित होगा। शिविर सुंदरा हॉस्पिटल, डेंटल कॉलेज कैंपस, जीई रोड के ओपीडी हॉल में सुबह 9 से शाम 4 बजे तक चलेगा। इसमें मैमोग्राफी और पैप स्मीयर जैसी 6000 रुपये तक की जांचें मामूली ओपीडी शुल्क पर निःशुल्क की जाएंगी। स्त्री रोग विशेषज्ञों द्वारा परामर्श भी दिया जाएगा। आयुष्मान, राशन और आधार कार्ड धारकों के लिए सोनोग्राफी, सीटी स्कैन, ईसीजी जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध रहेंगी। पुरुषों व किडनी स्वास्थ्य के लिए 27 सितंबर को भी विशेष शिविर लगा।

सरकार बाढ़ प्रभावित परिवार को करेगी हरसंभव मदद- मंत्री टंकराम वर्मा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेशभर में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण कई जिलों में नदियाँ उफान पर हैं, जिससे निचले और तटीय इलाकों में बाढ़ की गंभीर स्थिति निर्मित हो गई है। अभनपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले नवापारा, सोमवारी बाजार, नेहरू घाट, पारागांव, कुटीपारा, टीला सहित नदी के तट पर बसे अनेक गाँव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। स्थानीय निवासियों के अनुसार, बीते 25 वर्षों के दौरान इस क्षेत्र में ऐसा भीषण जलभराव और तबाही का मंजर कभी देखने को नहीं मिला। नवापारा क्षेत्र में बाढ़ का पानी 8 फीट तक बढ़ जाने से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है।

क्षेत्र में बाढ़ की विभीषिका को देखते हुए स्थानीय प्रशासन मुस्तैदी से राहत और बचाव कार्य में जुट गया है। अब तक लगभग 2,000 प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों और प्रशासन द्वारा बनाए गए राहत केंद्रों में स्थानांतरित किया जा चुका है। बाढ़ पीड़ितों को विशेष रूप से बनाए गए सुरक्षित राहत केंद्रों में ठहराया गया है, जहाँ उनके भोजन, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। आपदा की इस घड़ी में स्थिति का जायजा लेने राजस्व एवं आपदा मंत्री श्री वर्मा ने आज स्वयं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का विस्तृत दौरा किया। उन्होंने बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुँचकर उनका कुशलक्षेम पूछा और राहत शिविरों में की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। मंत्री श्री वर्मा ने प्रभावितों से सीधा संवाद कर उन्हें ढांढस बंधाया और आश्वस्त किया कि राज्य की श्री विष्णु देव साय सरकार इस विपदा की घड़ी में उनके साथ पूरी मजबूती से खड़ी है।

बाढ़ पीड़ितों को त्वरित राहत पहुँचाने के उद्देश्य से तात्कालिक सहायता के रूप में प्रभावितों को 5-5 हजार रुपये के अनुदान चेक वितरित किए गए।

'माय एरिया, माय रिस्पॉन्सिबिलिटी' और 'लाइन ऑफ फायर' को व्यवहार में उतारें : सेल अध्यक्ष अशोक कुमार पंडा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अशोक कुमार पंडा ने कहा सुरक्षा से समझौता नहीं, हर कर्मचारी सुरक्षित घर लौटे। 26 सितंबर को सिविक सेंटर स्थित महात्मा गांधी कला मंदिर में लार्ज ग्रुप इंटरैक्शन को संबोधित करते हुए उन्होंने असुरक्षित कार्यप्रणाली पर जीरो टॉलरेंस, परमिट टू वर्क और शटडाउन प्रक्रिया का कड़ाई से पालन करने को कहा।

उन्होंने कहा यदि कोई असुरक्षित स्थिति दिखे तो कर्मचारी उत्पादन रोकने के लिए अधिकृत है, ऐसे हस्तक्षेप को पुरस्कृत किया जाएगा। भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्तरंजन महापात्र ने सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर दिया।

इंटरैक्शन में अधिकारी, कर्मचारी, ठेका श्रमिक, सुपरवाइजर और सुरक्षा योद्धा शामिल हुए। ED एमएम अजय चक्रवर्ती, ED वित्त प्रवीण निगम, ED एचआर पवन कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इससे पूर्व डॉ. पंडा ने कोक ओवन बैटरी-8, प्लेट मिल, एसएमएस-3 और प्रोजेक्ट विभाग का दौरा कर परिचालन और परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

नाबालिग चोरों के गैंग का पदार्फाश, 9 बालकों सहित 11 पर हुआ कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

पुलिस कमिश्नरेट रायपुर नॉर्थ जोन ने निमार्णाधीन मकानों से कॉपर वायर चोरी करने वाले नाबालिगों के गैंग का खुलासा किया है। पुलिस ने 9 विधि से संघर्षरत बालकों सहित चोरी का माल खरीदने वाले कबाड़ी और बर्तन दुकानदार समेत 11 के खिलाफ कार्रवाई की है।

पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला और अतिरिक्त आयुक्त अमित कांबले के निर्देश पर DCP दीपमाला कश्यप, Addl DCP आदित्य पांडे और ACP पूर्णिमा लामा के मार्गदर्शन में थाना खमतराई ने यह कार्रवाई की। 6 सितंबर को सेक्टर-03 शिवानंद नगर में निमार्णाधीन मकान से कॉपर वायर चोरी की रिपोर्ट पर अपराध क्र. 945/2026 दर्ज किया गया था। CCTV फुटेज, पूछताछ और मुखबिर सूचना से पुलिस बालकों तक पहुंची। जांच में पता चला कि यही 9 नाबालिग सरस्वती नगर के 3 और खमतराई के 3 अन्य चोरी मामलों में भी शामिल थे। चोरी का माल गुढ़ियारी के कबाड़ी किशुन भारती (40) को बेचा जाता था, जो आगे राजातालाब के बर्तन दुकानदार शांति एस. जोसेफ (74) को खपाता था। पुलिस ने कुल 43 किलो कॉपर वायर और एसी कॉपर पाइप बरामद किया है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत आंगनबाड़ी मिलन सेवा कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कोहका-1 आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण, स्वास्थ्य और संस्कार को लेकर महिलाओं को किया जागरूक

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्र कोहका-1 में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी अजय कुमार साहू ने महिलाओं एवं परिवारों को पोषण, बच्चों के स्वास्थ्य और बेहतर परवरिश के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। उन्होंने महिलाओं में खून की कमी की समस्या का उल्लेख करते हुए पौष्टिक एवं संतुलित आहार लेने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि गर्भावस्था के दौरान मां का स्वास्थ्य एवं पोषण बच्चे के विकास से सीधे जुड़ा होता है। इसके लिए परिवार की भी साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने चना-गुड़ और मुनगा भाजी जैसे पौष्टिक खाद्य पदार्थों को आहार में शामिल करने की बात कही और अपने हीमोग्लोबिन कम होने का निजी अनुभव भी साझा किया।

श्री साहू ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र बच्चों के पोषण, प्रारंभिक शिक्षा एवं सामाजिक व्यवहार के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने परिवारों से बच्चों को नियमित रूप से आंगनवाड़ी भेजने तथा कार्यकताओं से आवश्यक सलाह लेने का आग्रह किया। बच्चों को बड़ों का सम्मान, आपसी मेल-जोल और अच्छे संस्कार सिखाने पर भी जोर दिया गया। साथ ही महतारी वंदन योजना सहित आंगनवाड़ी से जुड़ी विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ लेने की अपील की गई।

कार्यक्रम में महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष श्रीमती स्वीटी कौशिक ने आंगनबाड़ी को बच्चों के लिए घर के आंगन जैसा सुरक्षित एवं सीखने का स्थान बताया। उन्होंने कहा कि 3 से 6 वर्ष के बच्चे यहां खेल-खेल में सीखते हैं और पौष्टिक भोजन प्राप्त करते हैं। इस दौरान माताओं से बच्चों में आए बदलाव के संबंध में चर्चा की गई, जिस पर कुछ माताओं ने बताया कि बच्चे आंगनवाड़ी में नियमित रूप से भोजन करने लगे हैं।

कार्यक्रम में रंगोली, मेहंदी, स्वस्थ शिशु, बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता एवं पौष्टिक व्यंजन प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर 6 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका, 3 मितानिन एवं 4 हितग्राहियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं 3 महिला हितग्राहियों ने शासन की योजनाओं से लाभान्वित होने के अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के दौरान श्रीमती राखी विश्वास द्वारा खिलौना दान तथा श्रीमती सावित्री वर्मा द्वारा वस्त्र दान किया गया। कार्यक्रम में कोहका मंडल उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता भुवाल, श्रीमती सावित्री वर्मा, परियोजना अधिकारी श्रीमती पद्मजा सिन्हा, महिला मोर्चा से श्रीमती राखी विश्वास, श्रीमती रेखा पटेल, वार्ड पार्षद श्रीमती अंजू सिंह, गिरधर वर्मा सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं बच्चे उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन पर्यवेक्षक श्रीमती प्रीति देवांगन द्वारा आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

आंगनबाड़ी में गर्भवती माताओं की गोदभराई, शिशुओं का अन्नप्राशन

दुर्ग। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सिकोला भाठा स्थित आंगनबाड़ी भवन में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा से देशसेवा के 25 वर्षों के अवसर पर चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिक निगम दुर्ग की महापौर अलका बाघमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। कार्यक्रम के दौरान गर्भवती माताओं की पारंपरिक विधि से गोदभराई की गई। इस अवसर पर उन्हें पौष्टिक आहार एवं आवश्यक सामग्री प्रदान कर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। वहीं शिशुओं का अन्नप्राशन संस्कार कराते हुए उनका मुंह मीठा कराया गया। कार्यक्रम में उपस्थित माताओं एवं बच्चों को स्वास्थ्य, पोषण तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाली मितानिनों, आंगनबाड़ी कार्यकताओं, सहायिकाओं एवं दीदियों का महापौर अलका बाघमार ने सम्मान किया। इस अवसर पर पार्षद ललिता ठाकुर, पूर्व महापौर एवं भाजपा नेत्री चंद्रिका चंद्राकर, महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री कुमुद बघेल, रत्नेश चंद्राकर तथा महिला एवं बाल विकास अधिकारी अनिता सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने में आंगनबाड़ी कार्यकताओं एवं सहायिकाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है।

खास खबर

महिला चेम्बर भिलाई के रास रंग गरबा महोत्सव का पोस्टर विमोचन किया

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

महिला चेम्बर भिलाई द्वारा नवरात्रि के अवसर पर भव्य रास रंग गरबा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह गरबा महोत्सव 14 एवं 15 अक्टूबर 2026 को स्टील क्लब, भिलाई में आयोजित होगा। आयोजन को लेकर महिला चेम्बर भिलाई की टीम ने दुर्ग जिले के कलेक्टर अभिजीत सिंह के कर-कमलों से कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन कराया।

इस अवसर पर महिला चेम्बर भिलाई की अध्यक्ष सुमन कन्नौजे, महासचिव सविता शर्मा, संरक्षक गीता वर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष रश्मि वर्मा एवं सहसचिव सुनीता सोनी व आशा अग्रवाल सरोजनी पाणिग्रही उपस्थित थी। महिला चेम्बर अध्यक्ष सुमन कन्नौजे व महासचिव सविता शर्मा ने बताया कि रास रंग गरबा महोत्सव के माध्यम से नवरात्रि की सांस्कृतिक परंपरा, गरबा और डांडिया के उत्साह को एक मंच पर लाने का प्रयास किया जा रहा है। यह हमारा छठवा वर्ष है। आयोजन में महिलाओं, युवाओं एवं परिवारों के लिए विशेष आकर्षण रखे जाएंगे। उन्होंने भिलाईवासियों से अपील की कि बड़ी संख्या में इस आयोजन से जुड़कर नवरात्रि के उल्लास, संस्कृति और गरबा की रंगारंग परंपरा का आनंद लें। प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सूचना सुनीता सोनी ने दी।

गणपति का कुंड में विसर्जन कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

दुर्ग। 12 दिनों तक चले गणेश उत्सव के बाद गणपति प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला शुरू हो गया है। 'गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आइ' के जयकारों के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश को विदाई दी। जगह-जगह शोभायात्राओं के साथ प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। इसी क्रम में दुर्ग के पद्मनाभपुर मिनी स्टेडियम में श्री दक्षिण कौशल गणेश उत्सव समिति ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अनूठी पहल की। समिति द्वारा भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन नदी या तालाब में करने के बजाय पंडाल परिसर में ही बनाए गए कृत्रिम कुंड में भगवान गणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया है।

केबिनेट मंत्री यादव और कलेक्टर अभिजीत सिंह गणेश विसर्जन स्थल शिवनाथ नदी पहुंचे

नदी का जल स्तर का लिया जायजा और बाढ़ प्रभावित लोगों से मिलने राहत केम्प भी पहुंचे

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव शनिवार 26 सितम्बर को गणेश विसर्जन स्थल शिवनाथ नदी पहुंचकर विसर्जन व्यवस्था एवं बाढ़ की स्थिति का अवलोकन किया। कलेक्टर अभिजीत सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल भी साथ मौजूद थे।

मंत्री श्री यादव ने नदी में बढ़ रही पानी की स्तर को ध्यान में रखते हुए गणपति विसर्जन पर विशेष सावधानियां बरतने कहा। कलेक्टर श्री सिंह ने अवगत कराया कि छोटे पुल के ऊपर से पानी प्रभावित होने के कारण रात्रि से विसर्जन में विराम लगायी गई है। जल स्तर नीचे आने पर गणपति विसर्जन पुनः प्रक्रिया के तहत प्रारंभ करायी जाएगी। जिला एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी के अलावा एसडीआरएफ, स्थानीय नाविक एवं नागरिक विसर्जन प्रक्रिया में अपनी सहभागिता निभा रहे हैं। मंत्री श्री यादव ने इस दौरान गणपति विसर्जन के लिए पहुंचे नागरिकों से अपील की कि नदी के जल स्तर को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्था में वे सहयोग प्रदान करें। विगत रात्रि से नदियों के जल स्तर बढ़ने से तटवर्ती लोगों को राहत केम्प में ठहराया गया है। यहां पर जिला प्रशासन एवं स्थानीय नागरिकों के सहयोग से केम्प में रहने वालों के लिए समुचित प्रबंध किया गया है।

केबिनेट मंत्री श्री यादव पुलगांव के वार्ड-55 कोसरिया यादव समाज के सामुदायिक भवन राहत केम्प पहुंच कर उन्होंने व्यवस्था का जायजा लिया। यहां पर महिला-पुरूष एवं बच्चे सहित 48 लोगों को ठहराया गया है। मंत्री श्री यादव ने केम्प में रह रहे लोगों से चर्चा कर भोजन एवं अन्य व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने राहत केम्प में रहने वालों को नदी के जल स्तर उतरने के बाद ही अपने निवास गृह जाने की सुझाव दिये। साथ ही राहत केम्प में स्वास्थ्य, प्रकाश, पेयजल, भोजन की समुचित प्रबंध करने अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान प्रभावित लोगों द्वारा पट्टे की मांग पर उन्हें गोकुल नगर स्थित घास भूमि को आवास हेतु आबंटित कराने आश्वस्त किया।

इसी कड़ी में मंत्री श्री यादव ने ग्राम भरदा के स्कूल में बनाये गये राहत केम्प का भी अवलोकन किया। यहां पर तांदुला एवं शिवनाथ नदी किनारे ईटभट्ठा एवं सब्जी बाड़ी में काम करने वाले 210 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल कर राहत केम्प में ठहराया गया है। मंत्री श्री यादव ने सरपंच श्रीमती सुनीता भारदीय एवं स्थानीय नागरिक श्री गोपाल पाड़े एवं ग्रामीणों से व्यवस्था के संबंध में चर्चा की। केम्प में ठहरे लोगों ने प्रशासनिक व्यवस्था पर संतुष्टि व्यक्त की। सरपंच की मांग पर मंत्री श्री यादव ने कलेक्टर को ग्राम भरदा के वार्ड-12 में वी-बी-जी-राम-जी अंतर्गत नाली निर्माण कार्य की स्वीकृति प्रदान करने कहा। उन्होंने ग्रामीण कृषकों की मांग पर फसल क्षति का सर्वे करा लेने की बाते भी कहीं। इसी प्रकार ग्राम चंगोरी में शिवनाथ नदी की जल स्तर बढ़ने से गांव की ओर पानी भरने ग्रामीणों द्वारा अवगत कराये जाने पर मंत्री श्री यादव ने कलेक्टर एवं एसएसपी से मातहत अधिकारियों-कर्मचारियों की जरिये स्थिति पर नजर रखने की बाते कही। इस अवसर पर नगर निगम दुर्ग की आयुक्त सुश्री लीना कोसम, एसडीएम महेश राजपूत, निगम के अतिरिक्त कमिश्नर, मोहेन्द्र साहू एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

दुर्ग ग्रामीण के 20 गांवों में बाढ़ जैसे हालात, विधायक चंद्राकर ने अधिकारियों से फोन पर ली स्थिति की जानकारी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिले में पिछले 30 घंटे से अधिक समय से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के चलते दुर्ग, बालोद और राजनांदगांव जिले की नदियां एवं नाले उफान पर हैं। लगातार बारिश के कारण दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के करीब 20 गांवों में बाढ़ जैसे हालात निर्मित हो गए हैं। कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति को देखते हुए प्रशासन को अलर्ट रहने की जरूरत बनी हुई है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने जिला प्रशासन के अधिकारियों से फोन पर चर्चा कर प्रभावित क्षेत्रों की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने जिला कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार, सिंचाई विभाग तथा लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों से चर्चा कर प्रभावित गांवों में तत्काल राहत एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विधायक चंद्राकर ने अधिकारियों से कहा कि जलभराव वाले क्षेत्रों और निचली बस्तियों में विशेष निगरानी रखी जाए। आवश्यकता वाले स्थानों पर संपर्क मार्गो में बैरिकेडिंग की व्यवस्था की जाए तथा प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। साथ ही प्रभावित लोगों के लिए भोजन, पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

ग्रामीणों से सतर्कता बरतने की अपील

विधायक ललित चंद्राकर ने ग्रामीणों से अपील की है कि लगातार बारिश और नदी-नालों में बढ़े जलस्तर को देखते हुए सभी लोग सुरक्षित स्थानों पर रहें। उन्होंने नदी, नाले और जलभराव वाले क्षेत्रों के आसपास जाने से बचने तथा प्रशासन द्वारा जारी निदेर्शों का पालन करने की अपील की है। विधायक ने कहा कि वे स्वयं लगातार जिला प्रशासन के संपर्क में हैं और दुर्ग ग्रामीण क्षेत्र में बारिश से उत्पन्न परिस्थितियों पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने प्रशासन से प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार त्वरित राहत एवं बचाव व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा है।

43 साल का बारिश का रिकॉर्ड टूटा

जिले में पिछले दो दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश शुक्रवार देर रात थमने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली है, लेकिन मौसम विभाग द्वारा आगामी दिनों में भी तेज बारिश की चेतावनी ने चिंता बढ़ा दी है। शनिवार को फिलहाल बारिश थमी हुई है, बावजूद इसके शिवनाथ नदी समेत जिले के नदी-नालों में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। सुरक्षा को देखते हुए जिला प्रशासन, नगर निगम और एसडीआरएफ की टीमें शिवनाथ नदी पुल सहित तटवर्ती क्षेत्रों में अलर्ट मोड पर हैं। पिछले दो दिनों में हुई बारिश ने जिले में 43 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। करीब 40 घंटे के दौरान 7 .45 इंच बारिश दर्ज की गई, जबकि महज 9 घंटे में ही 5 .53 इंच वर्षा हुई। लगातार हुई झमाझम बारिश से पूरा दुर्ग जिला पानी से तरबतर हो गया है और कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है।

भारी बारिश के बीच पूरे जोश और उत्साह के साथ भक्तों ने बप्पा को दी विदाई

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-दुर्ग

आस्था से जब सच्चे भाव प्रकट होते हैं, तो प्रकृति की कोई भी बाधा मार्ग नहीं रोक सकती। तूफान थम जाते हैं, बदरा रास्ता दे देते हैं, क्योंकि जहाँ अटूट विश्वास होता है, वहाँ स्वयं विधाता सारथी बन जाता है। भिलाई के इतिहास में कई स्वर्णिम अध्याय देखे हैं, लेकिन आस्था-रथ सांस्कृतिक मंच द्वारा आयोजित श्रीगणेश विसर्जन महोत्सव के दौरान भिलाई की जागरूक जनता ने श्रद्धा का जो इतिहास रचा, उसकी गूंज युगों-युगों तक सुनाई देगी। यह गवाही है उस ऐतिहासिक दिन की, जब आसमान ने इम्तिहान लेने की ठानी और लगातार 36 घंटों तक मूसलाधार बारिश होती रही। सड़कें जलमग्न थीं, हवाओं में कड़क थी और मानसूनी बेरहमी अपने चरम पर थी। कोई भी साधारण आयोजन ऐसी स्थिति में घुटने टेक देता। लेकिन, बप्पा की अलौकिक माया से न तो विसर्जन झांकियों के कदम डगमगाए और न ही भिलाईवासियों का हौसला डिगा।

मूसलाधार बारिश की एक-एक बूंद भक्तों की आस्था के सैलाब के आगे बौनी साबित हो गई। ढोल-ताशों की थाप और गणपति बाप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ के गगनभेदी जयकारों के बीच, हजारों-लाखों श्रद्धालु भीगते हुए, मुस्कुराते हुए अपनी अटूट श्रद्धा प्रकट करने सिविक सेंटर के आस्था-चौक पर डटे रहे। 36 घंटे की वो अनवरत बारिश भी भिलाई की इस साझी सांस्कृतिक विरासत के जोश को ठंडा नहीं कर सकी।

आस्था-रथ सांस्कृतिक मंच का 11वें वर्ष का आयोजन छत्तीसगढ़ पुलिस के शौर्य और साहस को समर्पित रहा जो कई मायनों में बेहद खास रहा। भारी बारिश के बीच इतिहास रचते हुए भक्तों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ बप्पा को विदाई दी। इस अवसर पर धर्म और संस्कृति की अदभुत झलक नजर आई। राउत नाचा, धुमाल, ढोल नंगाड़ा पारंपरिक नृत्य और देवी देवताओं की वेशभूषा धारण कर कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वही उपस्थित लोगो ने देशभक्ति के गीतों में झूमकर हमारे सेना और पुलिस के जवानों के शौर्य को नमन किया।

अनेकता में एकता की दिखी तस्वीर

आस्था रथ सांस्कृतिक मंच के 11 वें वर्ष के आयोजन में राजनीति से परे एकता का संदेश देते हुए विभिन्न दलों के जनप्रतिनिधि और समाजसेवी शामिल हुए। कार्यक्रम में दुर्ग सांसद विजय बघेल, खादी एवं ग्रामोदयोग बोर्ड के अध्यक्ष राकेष पाण्डेय, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के उपाध्यक्ष एवं दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू, श्री रामजन्मोत्सव समिति युवा विंग के अध्यक्ष मनीष पाण्डेय, नगर निगम भिलाई की पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं पार्षद सुभद्रा सिंह, फिल्म अभिनेत्री श्वेता पडडा, डॉ.सुशोवन रॉय, डॉ मंजू रॉय सहित समाज के अन्य लोग शामिल हुए। यहां पहुंचे सभी अतिथीयों ने आस्था-रथ सांस्कृतिक मंच द्वारा गणेश पूजन समितियों को हर वर्ष सम्मानित कर उनका हौसला बढाने और सभी को एक जुट कर भिलाई की एकता और अखंडता को परिभाषित करते हुए धर्म और संस्कृति की रक्षा करने के लिए बधाई दी साथ ही भिलाईवासियों को उनकी अटूट श्रृद्धा के लिए नमन किया।

आस्था के महाकुंभ में उमड़ा जन सैलाब, नक्सलमुक्त छत्तीसगढ़ होने की मनाई गई खुशियां

छत्तीसगढ़ पुलिस को समर्पित रहा मंच

आस्था-रथ सांस्कृतिक मंच का ग्यारहवें वर्ष का आयोजन छत्तीसढ़ पुलिस के जवानों के लिए समर्पित रहा। छत्तीसगढ़ को नक्समुक्त करने में अपनी अहम भूमिका निभाने वाले छत्तीसगढ़ पुलिस के जाबाज इंस्पेक्टर शौर्य चक्र प्राप्त लक्ष्मण केवट और रामेश्वर प्रसाद देशमुख को उनकी अद्वितीय वीरता, रणभूमि में सूझबूझ और अदम्य साहस और वीरता को लिए नमन करते हुए उन्हें छत्तीसगढ गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। छत्तीसगढ़ पुलिस के वे जांबाज इंस्पेक्टर हैं जिन्होने नक्सलियों के खिलाफ उनके असाधारण साहस और नेतृत्व के लिए देश के प्रतिष्ठित वीरता पुरस्कार शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया है।

न्यू आजाद गणेशोत्सव समिति ने बनाया रिकॉर्ड

आस्था रथ सांस्कृतिक मंच द्वारा वर्ष 2026 के आयोजन में भारी बारिश के बावजूद कुल 51 झांकियां शामिल हुई जिन्हें कार्यक्रम में शामिल हुए अतिथीयों के द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ और कनिष्ठ दो वर्गो में पुरस्कारों का वितरण किया गया जिसके तहत सर्वश्रेश्ठ आयोजन के लिए 11वें वर्ष का खिताब न्यू आजाद गणेशोत्सव समिति को दिया गया और सर्वश्रेष्ठ थीम के लिए शिव मानस गणेशोत्सव समिति सेक्टर 10, को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसी तरह से सीनियर और जूनियर के 7 अन्य केटेगिरी में भी समितियों को सम्मानित किया गया। वही अन्य मंच से होकर गुजरने वाली समस्त सभी को सम्मानित कर उनका हौसला बढ़ाया गया।

भिलाई रत्न सम्मान से सम्मानित हुई विभूतियां

आस्था-रथ सांस्कृतिक मंच द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी भिलाई रत्न सम्मान से शहर की विभूतियों का सम्मान किया गया। इसके तहत चिकित्सा के क्षेत्र में डॉ उदय धाबर्डे, तकनीक के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए सुमीत घोष, शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में राजेंद्र अग्रवाल, शोध कार्य में उल्लखनीय कार्य के लिए डॉ. मंजू रॉय, को सम्मानित किया गयां।

सेवा योजना के तहत दी गई राशि

आस्था रथ सांस्कृतिक मंच द्वारा इस वर्ष भी सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों का आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इसके तहत स्व.बीरा सिंग सेवा योजना के तहत सरस्वती देवी को 11000 और स्व प्रकाश भाकरे सेवा योजना के तहत पशुओं और जानवरों की निःस्वार्थ सेवा के लिए आदर्श राय को 11 हजार की राशि का चेक प्रदान किया गया।

आस्था-रथ की स्मारिका का हुआ विमोचन

आस्था रथ सांस्कृतिक मंच के द्वारा धर्म और संस्कृति से संबंधित वार्शिक स्मारिका का विमोचन भी अतिथीयों के द्वारा किया गया। स्मारिका के माध्यम से शहर और प्रदेश के प्रसिद्ध मंदिरों की विशेषताएं और धर्म संस्कृति और परम्परा से संबंधी सामग्री का समावेश किया गया है। समारोह में गीत संगीत का भी भव्य आयोजन किया गया जिसमें डॉल्फिन के कलाकारों ने एक से बढकर एक प्रस्तुति देकर देर रात तक समा बांधा।

समितियों का उत्साह बढ़ाना आयोजन का उददेश्य

आस्था रथ सांस्कृतिक मंच के अध्यक्ष मिथलेश ठाकुर ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य धर्म और संस्कृति की रक्षा करने के साथ साथ गणेश पूजन समितियों को पुरस्कृत कर उनका हौसला बढ़ाने का है ताकि वे भविष्य और भी बेहतर कार्य कर सकें। उन्होने कहा कि कार्यक्रम में शामिल हुई प्रत्येक समितियों को सम्मानित किया गया है ताकि उनका उत्साहवर्धन हो सके। आभार प्रदर्शन कार्यक्रम की संयोजक अनूभूति भाकरे ठाकुर ने किया।

इनका रहा विशेष योगदान

आस्था रथ सांस्कृतिक मंच के आयोजन को सफल बनाने में बनाने में राजेश नथवाणी, दादाराव बोरोड़े, राजेश सांवले, सुरेंद्र ठाकुर, सन्नी पशीने, प्रीतम हरपाल, नितिन श्रीवास्तव, प्रज्जवला सहित समिति के सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

बच्चों के लिए सरल कविता
गाय हमारी माता है

गाय हमारी माता है,
सबके मन को भाती है।
सुबह-सुबह वह दूध हमें,
प्यार से रोज पिलाती है।
घास चरती, दूध देती,
हम पर प्यार लुटाती है।
हम भी उसकी सेवा करके,
खुशियाँ खूब मनाते हैं।
गाय बड़ी ही प्यारी है,
सबकी यह दुलारी है।
गाय हमारी माता है,
भारत की पहचान है।

कु. अनुष्का दुबे
भिलाई, सेक्टर-4

खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में धान खरीदी व्यवस्था समय पर हो पूरा : खाद्य मंत्री बघेल

मंत्रिमंडलीय उप-समिति की बैठक में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी और कस्टम मिलिंग की तैयारियों की हुई विस्तृत समीक्षा की

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

आगामी खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए राज्य शासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयाल दास बघेल की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिमंडलीय उप समिति की बैठक में धान खरीदी एवं कस्टम मिलिंग से जुड़ी तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में किसानों की सुविधा, धान उपार्जन केंद्रों की व्यवस्था, जूट बारदानों की उपलब्धता तथा कस्टम मिलिंग के चावल जमा करने की प्रगति पर की गई।

बैठक में कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल तथा वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी शामिल हुए। मंत्रिमंडलीय उप समिति ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि धान खरीदी प्रारंभ होने से पहले सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से पूरी कर ली जाएं, ताकि किसानों को धान बेचने में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

बैठक में बताया गया कि खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में 360 नवीन धान खरीदी केंद्र खोले गए हैं। इन नए केंद्रों में धान खरीदी से संबंधित सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। मंत्रिमंडलीय उप समिति ने नवीन खरीदी केंद्रों में धान उपार्जन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सभी जरूरी संसाधनों एवं व्यवस्थाओं की उपलब्धता सुनिश्चित

करने के निर्देश दिए। उप समिति ने कहा कि धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया किसान-केंद्रित हो तथा खरीदी केंद्रों पर किसानों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

धान उपार्जन के लिए बारदानों की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए मंत्रिमंडलीय उप समिति ने आवश्यक नए एवं पुराने जूट बारदानों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि विपणन संघ द्वारा जूट कमिश्नर, कोलकाता के माध्यम से 3.64 लाख गठान नए जूट बारदानों की व्यवस्था की जा रही है। अब तक विपणन संघ को 1.14 लाख गठान नए जूट बारदाने प्राप्त हो चुके हैं। उप समिति ने शेष आवश्यक बारदानों की उपलब्धता भी समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि धान खरीदी के दौरान बारदानों की कमी के कारण उपार्जन व्यवस्था प्रभावित न हो।

बैठक में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत कस्टम मिलिंग की स्थिति की भी विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि कस्टम मिलिंग के अंतर्गत कुल 89 लाख टन चावल जमा करने का लक्ष्य है। इसमें से अब तक 37.50 लाख टन चावल जमा किया जा चुका है, जबकि मिलरों द्वारा 51.50 लाख टन चावल जमा किया जाना शेष है। कस्टम मिलिंग का चावल जमा करने के लिए 31 मार्च 2027 तक की समय-सीमा निर्धारित है। मंत्रिमंडलीय उप समिति ने शेष चावल की मात्रा को देखते हुए कस्टम मिलिंग एवं चावल जमा करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। संबंधित अधिकारियों से इसकी नियमित समीक्षा करने तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर चावल जमा कराना सुनिश्चित करने को कहा गया।

बैठक में खाद्य विभाग की सचिव श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले, छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ के प्रबंध संचालक जितेन्द्र शुक्ला, नागरिक आपूर्ति निगम के प्रबंध संचालक विलास भोसकर, वित्त विभाग के विशेष सचिव चंदन कुमार एवं सहकारी संस्थाओं के पंजीयक रमेश कुमार शर्मा सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

खास खबर

राज्यपाल रमेन डेका कल नवनिर्मित सुभाषचंद्र बोस बायोटेक्नोलॉजी इन्क्यूबेशन सेंटर का करेंगे लोकार्पण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में जैव-प्रौद्योगिकी अनुसंधान, नवाचार, स्टार्टअप विकास और युवा उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में छत्तीसगढ़ बायोटेक प्रमोशन सोसाइटी द्वारा इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के सहयोग से स्थापित सुभाष चंद्र बोस बायोटेक्नोलॉजी इनक्यूबेशन सेंटर के अत्याधुनिक केंद्र का उद्घाटन 28 सितंबर 2026 को राज्यपाल रामेन डेका द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और कृषि मंत्री रामविचार नेताम भी मौजूद रहेंगे। इसके साथ ही 28-30 सितंबर 2026 तक कृषि मंडपम, रायपुर में छत्तीसगढ़ यूथ इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप कॉन्क्लेव 2026 का आयोजन होगा।

दो एकड़ क्षेत्र में विकसित यह केंद्र जैव-प्रौद्योगिकी अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता के लिए एक समर्पित मंच के रूप में कार्य करेगा। यहां हाई-टेक एवं अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, ठैस-3 सुविधा, आधुनिक एनालिटिकल एवं टेस्टिंग सुविधाएं, किट एवं तकनीक विकास इकाइयां, वेस्ट ट्रीटमेंट सिस्टम तथा को-वर्किंग एवं इनक्यूबेशन स्पेस उपलब्ध हैं। केंद्र का उद्देश्य लैब से टेक्नोलॉजी और टेक्नोलॉजी से उद्यम की यात्रा को सहयोग देना है। एग्री-बायोटेक्नोलॉजी, बायोफर्टिलाइजर एवं बायोकंट्रोल एजेंट्स, हेल्थ एवं डायग्नोस्टिक्स, फूड बायोटेक्नोलॉजी, पर्यावरणीय जैव-प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले स्टार्टअप्स, शोधकताओं और उद्यमियों को प्रयोगशाला सुविधाएं, प्रशिक्षण, मेंटरिंग, परीक्षण एवं तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। केंद्र युवा वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों, नए स्नातकों और उभरते उद्यमियों को अपने बायोटेक्नोलॉजी आधारित विचारों को विकसित कर उत्पाद, तकनीक और उद्यम में बदलने के लिए आवश्यक मंच और सुविधाएं प्रदान करेगा। इसका उद्देश्य युवाओं को नवाचारकर्ता और रोजगार सृजक बनने के लिए प्रोत्साहित करना है।

कॉन्क्लेव का आयोजन सीबीपीएस एवं आईजीकेव्ही द्वारा आईआईटी भिलाई, एनआईटी रायपुर, आईआईआईटी नया रायपुर, नाबार्ड तथा सीजीकास्टके सहयोग से किया जा रहा है। इसमें देशभर से 1,000 से अधिक उद्यमी, नवाचारकर्ता, शोधकर्ता, विद्यार्थी, निवेशक एवं उद्योग प्रतिनिधि भाग लेंगे। कार्यक्रम में विशेषज्ञ सत्र, स्टार्टअप पिचिंग तथा नवाचार एवं स्टार्टअप प्रदर्शनी - डिस्प्ले किए जाएंगे, जिससे युवा प्रतिभाओं, शोधकताओं, स्टार्टअप्स और उद्योग के बीच संवाद एवं सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।

माध्यमिक शिक्षा मंडल ने 7 अक्टूबर तक बढ़ाई ऑनलाइन शुल्क जमा करने की तारीख

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 में नियमित अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के हित में बड़ा फैसला लिया है। मंडल ने विद्यार्थियों के नामांकन शुल्क, परीक्षा शुल्क और परीक्षा आवेदन पत्र शुल्क के ऑनलाइन भुगतान की अंतिम तारीख बढ़ा दी है। अब मान्यता प्राप्त संस्थाओं में अध्ययनरत नियमित विद्यार्थियों का ऑनलाइन शुल्क 7 अक्टूबर 2026 तक जमा किया जा सकेगा। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर की ओर से पहले शैक्षणिक सत्र 2026-27 में नियमित अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के समस्त ऑनलाइन शुल्क जमा करने की अंतिम तारीख 30 सितंबर 2026 निर्धारित की गई थी। अब राष्ट्रीयकृत बैंकों की प्रस्तावित हड़ताल को देखते हुए इस समय सीमा को बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

आयुष्मान भारत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर मिला प्रतिष्ठित सम्मान

'स्वास्थ्य और सुरक्षा से जनकल्याण' की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री

पोर्टेबिलिटी क्लेम्स के निराकरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने किया सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (AB-PMJA) के प्रभावी क्रियान्वयन और हितग्राहियों को बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में छत्तीसगढ़ ने राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। पोर्टेबिलिटी क्लेम्स के समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया गया है।

भारत सरकार के राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (NHA) द्वारा आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के आठ वर्ष तथा आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (ABDM) के पांच वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आज विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित आरोग्य मंथन 2026 में छत्तीसगढ़ को यह सम्मान प्रदान किया गया। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने छत्तीसगढ़ को पोर्टेबिलिटी क्लेम्स के निराकरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया। छत्तीसगढ़ की ओर से आयुष्मान भारत योजना के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. धर्मेंद्र गहवई ने यह पुरस्कार ग्रहण किया।

इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि प्रदेश के किसी भी पात्र नागरिक को आर्थिक कठिनाई के कारण उपचार से वंचित न होना पड़े। बीमारी के समय परिवार को उपचार के साथ आर्थिक सुरक्षा का भरोसा मिले, इसी उद्देश्य से प्रदेश में आयुष्मान भारत योजना को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आयुष्मान भारत योजना ने देश के करोड़ों जरूरतमंद परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा का मजबूत भरोसा दिया है। छत्तीसगढ़ में भी इस योजना के माध्यम से पात्र परिवारों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं और प्रशासनिक व्यवस्थाओं को लगातार सुदृढ़ किया जा रहा है।

प्रदेश से बाहर भी उपचार की चिंता नहीं

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना की पोर्टेबिलिटी सुविधा विशेष रूप से उन नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण है, जिन्हें रोजगार, कामकाज अथवा अन्य कारणों से अपने गृह राज्य से बाहर रहना पड़ता है या बेहतर उपचार के लिए दूसरे राज्य जाना पड़ता है। इस व्यवस्था के माध्यम से पात्र हितग्राही देश के अन्य राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में योजना से संबद्ध अस्पतालों में कैशलेस उपचार प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के जो हितग्राही दूसरे राज्यों में उपचार लेते हैं, उन्हें भी योजना का लाभ सहजता से मिले और उनके क्लेम का निराकरण समय पर हो, इसके लिए राज्य सरकार लगातार व्यवस्था को मजबूत कर रही है। पोर्टेबिलिटी क्लेम्स के निराकरण में मिला राष्ट्रीय सम्मान इसी दिशा में किए जा रहे प्रयासों का परिणाम है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर मिली यह उपलब्धि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों, चिकित्सकों, अस्पतालों और योजना के क्रियान्वयन से जुड़े सभी लोगों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। यह सम्मान हमें स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुलभ, प्रभावी और हितग्राही-केंद्रित बनाने की प्रेरणा देगा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुरक्षा से जनकल्याण के संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ आगे बढ़ रहा है। हमारा प्रयास है कि गंभीर बीमारी किसी परिवार के लिए आर्थिक संकट का कारण न बने और जरूरत के समय प्रत्येक पात्र नागरिक को समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध हो।

क्लेम प्रोसेसिंग व तकनीकी निगरानी पर विशेष ध्यान

प्रदेश में पोर्टेबिलिटी क्लेम्स के समयबद्ध निराकरण के लिए क्लेम प्रोसेसिंग व्यवस्था, तकनीकी निगरानी, संबद्ध अस्पतालों के साथ समन्वय और लंबित प्रकरणों के निराकरण पर लगातार विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रशासनिक एवं तकनीकी प्रक्रियाओं को इस प्रकार सुदृढ़ किया जा रहा है कि उपचार प्राप्त करने वाले हितग्राहियों को योजना का लाभ लेने में अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त यह सम्मान इस बात को भी रेखांकित करता है कि छत्तीसगढ़ में आयुष्मान भारत योजना के संचालन के लिए विकसित की गई व्यवस्थाएं लाभार्थी-केंद्रित स्वास्थ्य सेवा वितरण को मजबूत करने में प्रभावी भूमिका निभा रही हैं।

हर पात्र परिवार तक पहुंचे आयुष्मान भारत का लाभ : मंत्री जायसवाल

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में छत्तीसगढ़ को मिला राष्ट्रीय सम्मान पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। यह उपलब्धि प्रदेश में योजना के प्रभावी, पारदर्शी और लाभार्थी-केंद्रित क्रियान्वयन के लिए किए जा रहे सामूहिक प्रयासों को रेखांकित करती है। श्री जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग का निरंतर प्रयास है कि आयुष्मान भारत योजना का लाभ प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के साथ उनकी गुणवत्ता को भी लगातार बेहतर कर रही है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि अधिकारियों, कर्मचारियों, चिकित्सकों, अस्पतालों और योजना के क्रियान्वयन से जुड़े सभी हितधारकों के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। आने वाले समय में क्लेम प्रोसेसिंग की गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता को और मजबूत किया जाएगा। राज्य सरकार का लक्ष्य प्रत्येक पात्र परिवार को गुणवत्तापूर्ण, नि:शुल्क, समयबद्ध और सम्मानजनक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।

देशभर में पोर्टेबिलिटी से लाखों हितग्राहियों को मिला उपचार

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के अनुसार आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना देश के सभी 36 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में लागू है। योजना की पोर्टेबिलिटी सुविधा ने लाभार्थियों के लिए राज्य की सीमाओं से परे भी स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 30 जून 2026 तक पोर्टेबिलिटी सुविधा के अंतर्गत देशभर में 29.05 लाख अंतर-राज्यीय अस्पताल प्रवेश अधिकृत किए गए हैं, जिनसे संबंधित अधिकृत राशि 8,383.97 करोड़ रुपये से अधिक है। यह व्यवस्था विशेष रूप से प्रवासी श्रमिकों, रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में रहने वाले नागरिकों और गृह राज्य से बाहर उपचार की आवश्यकता वाले परिवारों के लिए उपयोगी साबित हो रही है।

डिजिटल तकनीक से और मजबूत होगा स्वास्थ्य सेवा तंत्र

आरोग्य मंथन 2026 में स्वास्थ्य आश्वासन और डिजिटल हेल्थ के अगले चरण को लेकर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

इस दौरान क्लेम प्रोसेसिंग को अधिक तकनीक-सक्षम बनाने, डिजिटल हेल्थ इकोसिस्टम को मजबूत करने तथा स्वास्थ्य डेटा के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग से संबंधित नई पहलों पर चर्चा हुई। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बनाने की दिशा में भविष्य की कार्ययोजना पर भी विचार-विमर्श किया गया।

स्वच्छता को आदत बनाएं, तभी शहर होंगे स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ : अरुण साव

सेवा संकल्प अभियान में उप मुख्यमंत्री ने दिलाई स्वच्छता की शपथ, सफाई मित्रों का किया सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

शहर को हमेशा साफ-सुथरा रखने और सुंदर बनाने का संदेश देने स्वच्छता ही सेवा और सेवा संकल्प अभियान के तहत जनप्रतिनिधियों से लेकर प्रशासनिक अधिकारी, नगर निगम की टीम, ग्रीन आर्मी, स्वयंसेवी व सामाजिक संगठन और नागरिक एक साथ श्रमदान के लिए उतरे। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने खुद अभियान में सहभागिता करते हुए लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि स्वच्छता को केवल अभियान तक सीमित नहीं रखा जा सकता। इसे दैनिक जीवन की आदत बनाना होगा, तभी हमारे शहर स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनेंगे।

रायपुर के मठपारा स्थित महाराजबंध तालाब में आयोजित अभियान में उप मुख्यमंत्री साव के साथ राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, विधायक सुनील सोनी, मोतीलाल साहू, पुरंदर मिश्रा, महापौर श्रीमती मीनल चौबे, महंत रामसुंदर दास, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन और सूडा के सीईओ सुमित अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। श्रमदान के दौरान सभी ने मिलकर महाराजबंध तालाब परिसर से कचरा और गंदगी साफ की। लोगों को तालाबों और जलस्रोतों को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित करते हुए तालाब में कचरा नहीं डालने और सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई बनाए रखने का संदेश दिया गया।

अभियान ने शहर की स्वच्छता को केवल नगर निगम या सफाई कर्मियों की जिम्मेदारी मानने के बजाय जनभागीदारी से आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

उप मुख्यमंत्री साव ने जनसमुदाय को स्वच्छता की शपथ दिलाते हुए इसे जीवन-शैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता की कोशिश तभी स्थायी और प्रभावी होगी, जब हर नागरिक अपने आसपास सफाई रखने को अपनी आदत और जिम्मेदारी बनाए। शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के लिए सरकार की लगातार कोशिशों के साथ नागरिकों की सक्रिय भागीदारी भी जरूरी है। कार्यक्रम में पांच सफाई मित्रों रमेश सोना, अवधेश सोनी, घना कुर्रे, अमित धीवर और राहुल राजपूत को सम्मानित किया गया।

अतिथियों ने सफाई मित्रों के कार्यों की सराहना करते हुए शहर को स्वच्छ रखने में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

विधायक सुनील सोनी ने सेवा, सहभागिता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना के साथ स्वच्छता अभियानों में अधिक से अधिक लोगों से जुड़ने का आह्वान किया। अतिथियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया। स्वच्छता के साथ पर्यावरण संरक्षण को जोड़ते हुए लोगों ने शहर को स्वच्छ, सुंदर और हरित बनाने का संकल्प लिया। सेवा मेरा योगदान की भावना के साथ महाराजबंध तालाब में हुए श्रमदान में जनप्रतिनिधियों, प्रशासन, नगर निगम, ग्रीन आर्मी, स्वयंसेवी संगठनों और आम नागरिकों की भागीदारी ने स्वच्छता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी और जनसहभागिता का संदेश दिया।

सड़कों, पुलों और भवनों के काम को मिलेगी रफ्तार वर्किंग सीजन का पूरा उपयोग करने पीडब्लूडी तैयार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

लोक निर्माण विभाग बरसात के बाद सडकों, पुल-पुलियों और भवनों के निर्माण को रफ्तार देने की तैयारी में है। लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने आज वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों और सभी परिक्षेत्रों के मुख्य अभियंताओं, अधीक्षण अभियंताओं एवं कार्यपालन अभियंताओं की बैठक लेकर फील्ड में कार्यों को गति देने की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने ठेकेदारों के साथ भी बैठक कर निर्माण सामग्री, मशीनरी और मानव संसाधन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

लोक निर्माण विभाग के सचिव ने नवा रायपुर स्थित निर्माण भवन में आयोजित बैठक में अक्टूबर से निमार्णाधीन कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाने और अप्रारंभ कामों को शुरू कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को कार्यस्थलों की समस्याओं का तत्परता से निराकरण कर ठेकेदारों को बाधामुक्त कार्यस्थल उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने ठेकेदारों से नियमित संवाद और अच्छा समन्वय रखते हुए टाइमलाइन के अनुसार कार्यों की प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यों में

गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने को कहा।

श्री बंसल ने सभी कार्यपालन अभियंताओं को हर दो महीने में अनुविभागीय अधिकारियों, सहायक अभियंताओं, उप अभियंताओं और ठेकेदारों के साथ बैठक कर प्रगति की समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभाग के सिविल और विद्युत-यांत्रिकी शाखा के अभियंताओं को आपसी तालमेल से काम करने को कहा। दोनों शाखाओं के बीच समन्वय की कमी से कार्यों की प्रगति प्रभावित नहीं होना चाहिए। उन्होंने एनआईटी तैयार करते समय कार्य पूरा करने की अवधि को व्यावहारिक रखने के निर्देश दिए। उन्होंने ठेकेदारों द्वारा किए जा रहे कार्यों का मूल्यांकन कर हर महीने भुगतान करने को कहा।

लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री बंसल ने ठेकेदारों के साथ भी बैठक कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने निर्माण कार्यों में तेजी लाने और विभिन्न प्रक्रियाओं में लगने वाले समय को कम करने विभागीय दिशा-निर्देशों, भुगतान प्रक्रिया, समय-सीमा निर्धारण और ठेकेदारों से जुड़े नीतिगत विषयों पर सुझाव भी मांगे।

विभागीय सचिव ने कहा कि लोक निर्माण विभाग के कार्यों में ठेकेदारों की अहम भूमिका है। उन्होंने ठेकेदारों को 1 अक्टूबर से शुरू हो रहे नए टेंडर सिस्टम में नामांकन कराने और इसके लिए विभाग द्वारा दिए जा रहे प्रशिक्षण में भाग लेने को कहा। उन्होंने ठेकेदारों को अपने पास उपलब्ध संसाधनों और क्षमता के अनुसार काम लेने को कहा। उन्होंने ठेकेदारों द्वारा किए जा रहे कार्यों की गति बढ़ाने और गुणवत्ता पर भी जोर दिया। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता वी.के. भतपहरी, अपर सचिव एस.एन. श्रीवास्तव और सीजीआरआईडीसी के अतिरिक्त प्रबंध संचालक शशांक पाण्डेय भी बैठक में मौजूद थे।

संपादकीय

वही तो कहा नहीं, लेकिन समझाया जा रहा वही कहा है

कोई भी नेता हो,किसी भी क्षेत्र का नेता हो, किसी भी राजनीतिक दल का नेता हो,वह अगर कोई बात जनता को समझाना चाहता है तो पहली शर्त तो यही होती है कि उसे पता रहना कि वह अपनी बात को जनता को कैसे समझा सकता है, कौन सी भाषा में समझा सकता है। देश के ज्यादातर लोग हिंदी समझते हैं तो अगर वह अपनी बात हिंदी में कहें और सरल भाषा में कहे तो उसकी बात ज्यादा से ज्यादा लोगों को समझ आ सकती है,लेकिन यदि वह अपनी बात अंग्रेजी में कहता है तो उसकी बातों को सुनकर ज्यादातर लोग तो समझ ही नहीं पाएंगे कि वह क्या कह रहे हैं। कांग्रेस के सबसे बड़े नेता राहुल गांधी की विशेषता या कमजोरी यही है कि वह अपनी बात अंग्रेजी में कहकर देश के लोगों को समझाना चाहते हैं और वह जो कहते हैं वह स्पष्ट नहीं होता है,सरल नहीं होता है,वह कहना कुछ चाहते हैं और कह कुछ जाते हैं। वह कोई बात कहकर लोगों को कुछ समझाना चाहते हैं और वह जो समझाना चाहते हैं, वह लोगों को समझ नहीं आता है।

देश के एक अखबार में एक आर्टिकल प्रकाशित हुआ है जिसमें बताया गया कि कई बातों को लेकर ज्ञानेश कुमार व दोनों चुनाव आयुक्तों के बीच सहमति नही थी ।जब तक चुनाव आयोग की तरफ से स्पष्टीकरण नहीं आया तो लोगों ने इसका मतलब यह निकाल लिया कि हाल के कुछ बरसों में जितने फैसले किए गए हैं,वह ज्ञानेश कुमार ने अकेले कर लिए हैं ।इसलिए सारे फैसले गलत है,अवैध हैं। चुनाव आयोग ने माना कई बार कोई अंतिम फैसला लेने के पहले कई बातों पर सहमति नहीं होती है यानी असहमति अंतिम फैसला लेने के पहले होती है लेकिन जब अंतिम फैसला लिया जाता है तो उन बातों पर सहमति बनती है और सहमति बनने के बाद ही अंतिम फैसला लिया जाता है और लिया गया है ।यानी चुनाव आयोग के मुताबिक सारे फैसले आमसहमति से लिए गए हैं। यह बात सच भी है क्योंकि दोनों चुनाव आयुक्तों ने कोई शिकायत राष्ट्रपति से की है, न दोनों ने कोई बयान जारी किया है, न ही अंग्रेजी अखबार के आर्टिकल प्रकाशित करने के बाद कुछ कहा है।

राहुल गांधी गांधी परिवार के सदस्य हैं,नेता प्रतिपक्ष हैं,उनको जो कुछ करना हो या कहना हो तो जरा सोच समझकर पूरी जांच कर कोई बात कहनी चाहिए और सबूतों के साथ कहनी चाहिए ताकि लोग उस पर भरोसा कर सकें ।कई बार राहुल गांधी जल्दी में जो कुछ उनके आसपास के लोग उनको समझा देते हैं, वही कहते हैं और वह भी स्पष्ट नहीं कह पाते हैं, इसलिए उनकी बातें विश्वसनीय नहीं लगती है ।दो चुनाव आयुक्त के बारें में जैसे ही खबर आई राहुल गांधी ने प्रेस कांफ्रेंस बुला लिया .यह जानने की कोशिश नहीं की कि वह कितनी सच है,कहीं आधा सच तो नहीं है ।राहुल गांधी ने कहा कि मैं पिछले तीन साल से वोट चोरी का आरोप लगा रहा हूं,अब दो चुनाव आयुक्त भी इसमें मेरे साथ हैं ।चु ?ाव आयुक्त खुद स्वीकार कर रहे हैं कि वोट चोरी हुई है ।ज्ञानेश कुमार ने देश द्रोह किया है,वह इस्तीफा देकर गवाह बन जाएं,उनके लिए यही देशभक्ति होगी।

दोनो चुनाव आयुक्त की तरफ से अभीतक कोई बयान नहीं आया है कि वह नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ है या ज्ञानेश कुमार के खिलाफ हैं। ऐसे में राहुल गांधी के यह कहने पर कोई कैसे यकीन कर सकता है कि दोनों चुनाव आयुक्त राहुल गांधी के साथ है और उन्होंने स्वीकार किया है कि राहुल गांधी कहते हैं कि वोट चोरी हुई है तो यह सच है,वाकई में वोट चोरी हुई है। राहुल गांधी मुख्य चुनाव आयुक्त को डराने का प्रयास भी कर रहे हैं कि अगर वह इस्तीफा नहीं देंगे तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी ।वह उनके साथ आकर गवाह बन जाएंगे तो उनको देशभक्त माना जाएगा ।यानी की राहुल गांधी दिवास्वप्न देख रहे हैं कि मुख्य चुनाव आयुक्त उनके साथ आ जाएंगे और कह देंगे कि हां उन्होंने पीएम मोदी व शाह के कहने पर वोट चोरी कराई है। राहुल गांधी इस तरह के सपने पहले भी देखते रहे हैं और कहते रहे हैं कि मोदी सरकार कमजोर सरकार है, एक साल में गिर जाएगी। राहुल गांधी का यह सपना पूरा नहीं हुआ है,अब सपना देख रहे है कि चुनाव आयुक्त उनके साथ है,उनके साथ आ जाएंगे।

राहुल गांधी कुछ कहते हैं तो उनको पूरी जानकारी लेकर कहनी चाहिए लेकिन वह ऐसा नहीं करते हैं और भाजपा को कहने का मौका मिलता है कि राहुल गांधी को पूरी जानकारी नहीं है ।हाल के प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने फिर ऐसा ही किया जब उन्होंने कहा कि भारत में एक सत्ताविरोधी लहर नाम की बुनियादी ताकत होती है,वह हर सरकार के खिलाफ होती है लेकिन 12 साल से मोदी सरकार के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर क्यों नहीं दिखती है ।जहां तक सत्ता विरोधी लहर न होने की बात है तो कांग्रेस ने 50 साल तक देश व राज्यों में सत्ता में रहीं है,पं .बंगाल में वामपंथी सरकार 34 साल रही है,ओडिशा में नवीन पटनायक की सरकार 24 साल रही है ।पं . बंगाल में 15 साल ममता सरकार रही है,बिहार में 15 साल लालू यादव की सरकार रही है ।छत्तीसगढ़ में 15 साल रमन सरकार रही है, दिल्ली मे 10 साल आप की सरकार रही है ।सत्ता विरोधी लहर सिर्फ भाजपा सरकार के खिलाफ नहीं रही हैं,कई सरकारों के खिलाफ नहीं रही है तो इस कारण उन्होंने कुछ ऐसे काम किए थे कि जनता ने उनको कई बार सत्ता सौंपी।

यह भी सच नहीं है कि देश में भाजपा सरकारों के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर नहीं थी,सत्ता विरोधी लहर थी तब ही तो 2024 मे मोदी सरकार को पूर्ण बहुमत नहीं मिला। भाजपा के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर थी तब ही तो कांग्रेस 2018 में छत्तीसगढ़ . मप्र, राजस्थान में जीती ।सत्ता विरोधी लहर थी तब ही भाजपा हिमाचल,कर्नाटक,तेलंगाना हारी और कांग्रेस जीती ।कश्मीर हारी,झारखंड हारी,केरल हारी। कोई राजनीतिक दल लंबे समय तक कई राज्यों में सत्ता मे रहता है तो इसका मतलब यह नहीं होता कि वह कुछ गलत काम करने के कारण सत्ता पर है,इसका मतलब यह भी होता है कि उसने अच्छे काम किए हैं, जनता उसके काम संतुष्ट है,यहभी हो सकता है कि राज्य या देश में उसका कोई अच्छा विकल्प न हो। कई राज्यों में तीन दशक से कांग्रेस सत्ता में नही है तो इसका मतलब यह नहीं है कि वहां कोई जीत रहा है तो वोट चोरी करके जीत रहा है, इसका मतलब तो यह भी होता है कि वहां की जनता कांग्रेस को उस राजनीतिक दल का विकल्प नहीं मान रही है। इसका मतलब तो यह भी होता है कि राहुल गांधी को मोदी से अच्छा नेता नहीं मान रही है।

छत्तीसगढ़ में गति पकड़ता राजस्व न्याय, रिकॉर्ड 81.35 प्रतिशत प्रकरणों के निपटारे से राजस्व अदालतों में आई अभूतपूर्व तेजी

विष्णु प्रसाद वर्मा, सहायक संचालक, रायपुर

छत्तीसगढ़ में राजस्व प्रशासन को अधिक प्रभावी, जवाबदेह और जनोन्मुख बनाने की दिशा में राजस्व न्यायालयों के प्रदर्शन में एक नया अध्याय जुड़ गया है। दूरस्थ अंचलों से लेकर बड़े शहरों तक भूमि, नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा और स्वामित्व जैसे आम नागरिकों के जीवन से जुड़े अत्यंत संवेदनशील मामलों को समयबद्ध सीमा में सुलझाने के लिए प्रशासनिक प्राथमिकताओं में अभूतपूर्व बदलाव आया है। राज्यभर के राजस्व न्यायालयों में दर्ज कुल 4,67,415 प्रकरणों में से रिकॉर्ड 3,80,224 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण कर लिया गया है। इस प्रकार संपूर्ण राज्य में मामलों के निराकरण की दर 81 .35 प्रतिशत तक पहुँच चुकी है, जबकि शेष 87,191 प्रकरणों के निपटारे के लिए भी लक्षित एवं सुव्यवस्थित प्रयास जारी हैं।

कोर्ट-कचहरी के चक्करों से मुक्ति, समय और धन की बचत

राजस्व मामलों का शीघ्र निपटारा केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा प्रभाव जमीन और आजीविका से जुड़े नागरिकों के रोजमर्रा के जीवन पर पड़ता है। कोर्ट-कचहरी के चक्कर काटने से मुक्ति मिलने के साथ-साथ आम जन के समय और संसाधनों की बचत हो रही है, जिससे राज्य में पारदर्शी एवं नागरिक-केंद्रित व्यवस्था सुदृढ़ हुई है।

दूरस्थ और आदिवासी अंचलों का शानदार प्रदर्शन

राजस्व न्याय की इस तीव्र गति में सबसे प्रेरणादायक तस्वीर राज्य के दूरस्थ एवं आदिवासी बहुल जिलों से सामने आई है, जहाँ प्रशासनिक पहुंच और त्वरित निर्णय क्षमता मिसाल बनी है। सुकमा जिला 92.70 प्रतिशत निराकरण दर के साथ पूरे प्रदेश में शीर्ष पर है, जहाँ 7,224 मामलों में से 6,697 का निपटारा किया गया है। इसी तरह नारायणपुर में 92.28 प्रतिशत (5,780 में से 5,334 प्रकरण), दंतेवाड़ा में 91.50 प्रतिशत (5,614 में से 5,137 प्रकरण) और बीजापुर में 89.67 प्रतिशत की उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है।

बड़े ज़िलों में भी तेजी से सुलझ रहे जमीन-जायदाद के मामले

भौगोलिक चुनौतियों के बावजूद दूरदराज के क्षेत्रों में मिली यह सफलता प्रशासनिक तंत्र की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। वहीं, राज्य के अधिक केस भार वाले बड़े जिलों में भी प्रकरणों के निपटारे का सिलसिला पूरी तेजी से चल रहा है। बस्तर में 17,600 में से 15,745 प्रकरण, बलौदाबाजार-भाटापारा में 20,905 में से 18,494 प्रकरण, राजधानी रायपुर में 34,226 में से 29,824 प्रकरण, बिलासपुर में 29,495 में से 24,539 प्रकरण, जांजगीर-चांपा में 19,132 में से 16,109 प्रकरण तथा कोरबा में 19,705 में से 15,747 मामलों को हल कर नागरिकों को राहत दी गई है।

ई-धरती और आधुनिक सर्वेक्षण से संवरते भू-अभिलेख

राजस्व मामलों के त्वरित निस्तारण के साथ-साथ राज्य सरकार ई-धरती योजना और आधुनिक भू-सर्वेक्षण तकनीकों के जरिए भू-अभिलेखों के सुदृढ़ीकरण पर भी व्यापक काम कर रही है। राज्य में 431 वन ग्राम से परिवर्तित राजस्व ग्राम और 596 असर्वेक्षित या मसाहती ग्रामों को मिलाकर कुल 1,027 ग्रामों का सर्वे हेतु चिन्हांकन किया गया है। इनमें से 284 ग्रामों का सर्वेक्षण कार्य पूरा करके डाटा भुइयाँ पोर्टल पर अपलोड भी कर दिया गया है, जबकि 196 ग्रामों में अंतिम प्रकाशन की प्रक्रिया चल रही है।

अबूझमाड़ में ऐतिहासिक पहल और डिजिटल नक्शों का निर्माण

अति-संवेदनशील अबूझमाड़ क्षेत्र और नारायणपुर जिले में भी ग्राम सर्वेक्षण की शुरूआत एक ऐतिहासिक पहल है, जहाँ 6 ग्रामों का अंतिम प्रकाशन पूर्ण कर अभिलेखों एवं नक्शों को भुइयां और भू-नक्शा सॉफ्टवेयर पर अपलोड कर दिया गया है तथा 59 अन्य ग्रामों में अंतिम प्रकाशन की प्रक्रिया गतिमान है। इसके अतिरिक्त, ई-धरती योजना के तहत बंदोबस्त त्रुटियों को सुधारने के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 में कोंडागांव जिले को 1.10 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बजट आवंटित किया गया है। नगरीय निकायों के कैडेस्ट्रल नक्शों को 1:500 के सूक्ष्म पैमाने पर बदलने की दिशा में भी काम तेजी से जारी है, जिसके तहत 22 जिलों के 396 गांवों को नए पैमाने के नक्शे प्रदान कर दिए गए हैं, जबकि नजूल व परिवर्तित अभिलेखों के डिजिटाइजेशन का कार्य भी अंतिम चरणों में है। वर्ष 2025-26 के लिए पात्र हितग्राहियों के सत्यापन एवं ी-ङ उ की प्रक्रिया को भी प्रगति पर रखा गया है।

वर्षों पुराने लंबित मामलों के लिए वैज्ञानिक रणनीति

न्यायालयीन प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए लंबित 87,191 प्रकरणों का समयावधि के अनुसार वैज्ञानिक वर्गीकरण किया गया है। वर्तमान में 0 से 6 माह की अवधि के 51,401 मामले लंबित हैं, जबकि 6 माह से 1 वर्ष के 13,218 मामले, 1 से 3 वर्ष के 15,918 मामले, 3 से 5 वर्ष के 3,903 मामले और 5 वर्ष से अधिक अवधि के 2,751 प्रकरण लंबित सूची में हैं। इस वर्गीकरण का मुख्य उद्देश्य वर्षों पुराने प्रकरणों को चिन्हित कर उन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ हल करना है, ताकि लंबे समय से चले आ रहे भूमि विवादों का स्थायी अंत हो सके।

राज्यभर में 80% से अधिक सफलता दर और प्रभावी समीक्षा

प्रदेश के अन्य जिलों में भी 80 प्रतिशत या उससे अधिक निराकरण दर दर्ज की गई है, जिनमें राजनांदगांव 83.45 प्रतिशत, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई 83.42,कोरिया 81.87,सारंगढ़-बिलाईगढ़ 81.84,धमतरी 81.65 , बेमेतरा 81, जशपुर 80.67, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी 80.38, कबीरधाम 80.23 और कांकेर 80.21 प्रतिशत शामिल हैं। इसके अलावा सरगुजा, महासमुंद, रायगढ़, सूरजपुर, गरियाबंद, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, दुर्ग, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर और बलरामपुर-रामानुजगंज जैसे जिलों में भी निरंतर समीक्षा बैठकों, डिजिटल ट्रैकिंग और समयबद्ध सुनवाई के माध्यम से मामलों के निपटारे की प्रक्रिया को गति दी जा रही है।

पारदर्शी और त्वरित सुशासन की ओर बढ़ते कदम

डिजिटल गवर्नेंस, आधुनिक सर्वेक्षण तकनीकों और नियमित मॉनिटरिंग के इस सशक्त संगम से छत्तीसगढ़ का राजस्व प्रशासन आज अधिक त्वरित, पारदर्शी और पूरी तरह जन-कल्याणकारी स्वरूप धारण कर चुका है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत को यूरोपीय समर्थन

महेन्द्र तिवारी

संयुक्त राष्ट्र की स्थापना इसी उद्देश्य से हुई थी कि विश्व युद्ध जैसी त्रासदियों की पुनरावृत्ति रोकी जा सके और अंतरराष्ट्रीय शांति, सुरक्षा तथा सहयोग को संस्थागत आधार मिले। उस समय की वैश्विक शक्ति संरचना के अनुरूप सुरक्षा परिषद का गठन हुआ, जिसमें पाँच देशों को स्थायी सदस्य और वीटो अधिकार प्रदान किया गया। परंतु आठ दशकों बाद विश्व की जनसंख्या, अर्थव्यवस्था, सामरिक संतुलन और राजनीतिक वास्तविकताएँ पूरी तरह बदल चुकी हैं। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका की बढ़ती भूमिका के बावजूद सुरक्षा परिषद की स्थायी संरचना लगभग वैसी ही बनी हुई है। इसी पृष्ठभूमि में भारत लंबे समय से सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता की मांग करता रहा है। 23 सितंबर 2026 को भारत की इस दावेदारी को एक नया कूटनीतिक बल मिला, जब यूरोप के विसेग्राद समूह के चार देशों पोलैंड, हंगरी, स्लोवाकिया और चेक गणराज्य ने संयुक्त रूप से भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन किया। विदेश मंत्री डॉ . एस . जयशंकर ने इसे ऐतिहासिक बैठक बताते हुए वैश्विक शासन व्यवस्था में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम कहा।

यह समर्थन केवल औपचारिक घोषणा नहीं है, बल्कि बदलती अंतरराष्ट्रीय राजनीति का संकेत भी है। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के अवसर पर पहली बार भारत और विसेग्राद समूह के विदेश मंत्रियों की संयुक्त बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में केवल सुरक्षा परिषद सुधार ही नहीं, बल्कि रक्षा, प्रौद्योगिकी, व्यापार, शिक्षा, आपूर्ति शृंखला और राजनीतिक सहयोग जैसे अनेक विषयों पर भी सहमति बनी। वार्षिक विदेश मंत्री बैठक और व्यापार मंच स्थापित करने का निर्णय दोनों पक्षों के संबंधों को दीर्घकालिक संस्थागत आधार प्रदान करता है। विसेग्राद समूह यूरोप के मध्य भाग के चार प्रभावशाली देशों का क्षेत्रीय सहयोग मंच है। पोलैंड, हंगरी, स्लोवाकिया और चेक गणराज्य यूरोपीय संघ तथा उत्तर अटलांटिक संधि संगठन दोनों के सदस्य हैं। यद्यपि इन देशों की जनसंख्या बहुत बड़ी नहीं है, फिर भी यूरोप की सुरक्षा, ऊर्जा नीति और क्षेत्रीय राजनीति में इनका पर्याप्त प्रभाव माना जाता है। ऐसे में इन चार देशों का एक साथ भारत के पक्ष में खड़ा होना यूरोप के भीतर भारत के लिए एक संगठित समर्थन का निर्माण करता है।

भारत की स्थायी सदस्यता की मांग कोई नई नहीं है। स्वतंत्रता के बाद से भारत संयुक्त राष्ट्र का सक्रिय सदस्य रहा है और उसने शांति अभियानों में हजारों सैनिकों का योगदान दिया है। कोरिया, कांगो, लेबनान, दक्षिण सूडान, सोमालिया और अनेक संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में भारतीय शांति सैनिकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत आठ बार सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य भी रह चुका है और कुल मिलाकर लगभग सोलह वर्षों तक परिषद में प्रतिनिधित्व कर चुका है। यह अनुभव भारत को वैश्विक सुरक्षा मामलों में एक जिम्मेदार सहभागी के रूप में स्थापित करता है। भारत की दावेदारी के पीछे केवल जनसंख्या का तर्क नहीं है। आज भारत विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाला लोकतांत्रिक राष्ट्र है और विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। जलवायु परिवर्तन, समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद, ऊर्जा सुरक्षा और सतत विकास जैसे विषयों पर भारत लगातार रचनात्मक भूमिका निभा रहा है। वैश्विक दक्षिण के अनेक विकासशील देशों की आवाज को अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुँचाने में भी भारत सक्रिय रहा है। इसी कारण कई देश मानते हैं कि वर्तमान सुरक्षा परिषद विश्व की वास्तविक शक्ति संरचना का पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं करती।

सुरक्षा परिषद की वर्तमान संरचना 15 सदस्यों वाली है, जिनमें 5 स्थायी और 10 अस्थायी सदस्य होते हैं। स्थायी सदस्यों के पास वीटो अधिकार है, जिसके कारण वे किसी भी महत्वपूर्ण प्रस्ताव को रोक सकते हैं। यही व्यवस्था सबसे अधिक विवाद का विषय रही है। आलोचकों का मत है कि 1945 की परिस्थितियों में बनी यह संरचना आज के बहुध्रुवीय विश्व के अनुरूप नहीं रह गई है। अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे महाद्वीपों का कोई स्थायी प्रतिनिधि नहीं है, जबकि एशिया में केवल चीन स्थायी सदस्य है। इसलिए भारत सहित अनेक देशों ने परिषद के विस्तार की मांग की है।

भारत इस उद्देश्य से जर्मनी, जापान और ब्राजील के साथ जी4 समूह का सदस्य है। यह समूह परस्पर एक दूसरे की स्थायी सदस्यता का समर्थन करता है और संयुक्त राष्ट्र सुधार के पक्ष में अभियान चलाता है। इसके अतिरिक्त फ्रांस, ब्रिटेन, अमेरिका और रूस जैसे प्रभावशाली देशों ने भी विभिन्न अवसरों पर भारत की दावेदारी का समर्थन किया है। यूरोप के चार नए समर्थकों के जुड़ने से भारत की कूटनीतिक स्थिति और अधिक मजबूत दिखाई देती है, क्योंकि अब यूरोप के भीतर भी समर्थन का दायरा व्यापक हो रहा है। फिर भी यह समझना आवश्यक है कि समर्थन मिल जाना और स्थायी सदस्य बन जाना दोनों अलग बातें हैं। संयुक्त राष्ट्र चार्टर में संशोधन किए बिना सुरक्षा परिषद का विस्तार संभव नहीं है। इसके लिए महासभा के दो तिहाई सदस्य देशों का समर्थन आवश्यक है और उसके बाद सभी पाँच वर्तमान स्थायी सदस्यों द्वारा संशोधन का अनुमोदन भी अनिवार्य है। यही वह सबसे कठिन चरण है जिसने पिछले कई दशकों से सुधार प्रक्रिया को धीमा बनाए रखा है।

सुधार प्रक्रिया में एक अन्य चुनौती क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा भी है। कुछ देशों का समूह परिषद में नए स्थायी सदस्यों के बजाय केवल अस्थायी सीटों के विस्तार का समर्थन करता है। पाकिस्तान भारत की दावेदारी का विरोध करता है, जबकि इटली और स्पेन जर्मनी के संबंध में अलग दृष्टिकोण रखते हैं। इसी प्रकार ब्राजील और जापान को लेकर भी क्षेत्रीय मतभेद मौजूद हैं। इन कारणों से व्यापक सहमति बनाना आसान नहीं रहा है। यूरोप के चार देशों के समर्थन का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि यह वैश्विक शक्ति संतुलन में हो रहे परिवर्तन को दशार्ता है। रूस और यूक्रेन संघर्ष, मध्य पूर्व में अस्थिरता, हिंद महासागर की सामरिक प्रतिस्पर्धा और आपूर्ति शृंखलाओं की नई चुनौतियों ने विश्व राजनीति को बहुध्रुवीय दिशा दी है। ऐसे समय में यूरोप के अनेक देश भारत को केवल एक क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि विश्वसनीय रणनीतिक साझेदार के रूप में देख रहे हैं। विसेग्राद समूह के देशों ने भी भारत को हिंद प्रशांत क्षेत्र और वैश्विक दक्षिण का महत्वपूर्ण प्रतिनिधि बताया है।

भारत की विदेश नीति में भी पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय परिवर्तन दिखाई देता है। पहले जहाँ भारत मुख्य रूप से गुटनिरपेक्ष दृष्टिकोण पर बल देता था, वहीं अब वह बहुस्तरीय साझेदारियों की नीति अपनाता है। अमेरिका, फ्रांस, जापान, आस्ट्रेलिया, यूरोपीय संघ, पश्चिम एशिया और अफ्रीका के देशों के साथ समानांतर संबंध विकसित करते हुए भारत ने अपने कूटनीतिक विकल्पों का विस्तार किया है। विसेग्राद समूह के साथ पहली औपचारिक विदेश मंत्री बैठक इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है। इस समर्थन का आर्थिक पक्ष भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। भारत और मध्य यूरोप के देशों के बीच व्यापार, हरित ऊर्जा, विनिर्माण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रक्षा उत्पादन और शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की योजना बनी है। वार्षिक व्यापार मंच स्थापित होने से निवेश और औद्योगिक साझेदारी को नई गति मिल सकती है। इससे भारत की आर्थिक कूटनीति और राजनीतिक कूटनीति एक दूसरे की पूरक बनती दिखाई देती है।

सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का प्रश्न केवल प्रतिष्ठा का विषय नहीं है, बल्कि वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में प्रतिनिधित्व का प्रश्न भी है। परिषद अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध, शांति अभियान, सैन्य हस्तक्षेप और वैश्विक सुरक्षा से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लेती है। ऐसे निर्णयों का प्रभाव विश्व के लगभग सभी देशों पर पड़ता है। यदि विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक आबादी और प्रमुख अर्थव्यवस्था को स्थायी प्रतिनिधित्व नहीं मिलता, तो प्रतिनिधिक वैश्विक शासन की अवधारणा अधूरी प्रतीत होती है। यही तर्क भारत लगातार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर रखता आया है।

हालाँकि यथार्थ यह भी है कि सुधार की राह अभी लंबी है। समर्थन बढ़ना सकारात्मक संकेत है, लेकिन अंतिम सफलता व्यापक वैश्विक सहमति, चार्टर संशोधन और राजनीतिक इच्छाशक्ति पर निर्भर करेगी। फिर भी यूरोप के चार देशों की यह संयुक्त घोषणा भारत की कूटनीतिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

सुपोषित महिलाएं, स्वस्थ बच्चे और सक्षम पीढ़ी से बनेगा विकसित छत्तीसगढ़

मातृत्व से बाल्यावस्था तक पोषण और स्वास्थ्य पर फोकस, योजनाओं से महिलाओं को आर्थिक-सामाजिक संबल

सुनील त्रिपाठी, सहायक संचालक मेघा यादव, सहायक सूचना अधिकारी, रायपुर

किसी भी राज्य के विकास की सबसे मजबूत पूंजी उसके स्वस्थ और सक्षम नागरिक होते हैं। एक स्वस्थ मां से स्वस्थ परिवार और सुपोषित बच्चे से सक्षम पीढ़ी की नींव तैयार होती है। इसी सोच के साथ छत्तीसगढ़ में महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और आर्थिक-सामाजिक सशक्तिकरण से जुड़ी विभिन्न योजनाएं उनके जीवन में बदलाव का माध्यम बन रही हैं। मातृत्व के संवेदनशील समय में आर्थिक सहयोग से लेकर आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण और प्रारंभिक शिक्षा तथा स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं की आजीविका तक, ये प्रयास पोषण को परिवार और समाज के समग्र विकास से जोड़ रहे हैं।

पोषण का अर्थ केवल पर्याप्त भोजन उपलब्ध होना नहीं है। गर्भावस्था से लेकर शिशु अवस्था, बाल्यावस्था और किशोरावस्था तक संतुलित पोषण स्वास्थ्य और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी कारण आंगनबाड़ी सेवाओं, पोषण गतिविधियों, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, बिहान और महतारी वंदन योजना जैसी पहलों के माध्यम से महिलाओं और बच्चों तक पोषण, जागरूकता और आर्थिक सहयोग पहुंचाया जा रहा है।

मातृत्व के संवेदनशील समय में पोषण का संबल

अंबिकापुर की अन्नू तिवारी का अनुभव बताता है कि मातृत्व के दौरान मिलने वाली आर्थिक सहायता किस तरह पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायक बन सकती है। पहली बार गर्भवती होने पर उन्हें आंगनबाड़ी केंद्र से प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की जानकारी मिली। आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें चरणबद्ध रूप से योजना की राशि प्राप्त हुई, जिसका उपयोग उन्होंने अपने खान-पान और पोषण संबंधी जरूरतों के लिए किया। गर्भावस्था और प्रसव के बाद महिला के लिए उचित पोषण विशेष महत्व रखता है। ऐसे समय में मिलने वाला आर्थिक सहयोग परिवार को पोषण और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं पर अधिक ध्यान देने का अवसर देता है। अन्नू का अनुभव इसी सहयोग की उपयोगिता को सामने लाता है।

स्वस्थ महिला से मजबूत होता है पूरा परिवार

महिला का पोषण केवल उसके व्यक्तिगत स्वास्थ्य का विषय नहीं है। इसका संबंध परिवार की देखभाल, बच्चों के पोषण और दैनिक जीवन की अनेक जिम्मेदारियों से भी है। पर्याप्त पोषण महिला की सक्रियता और स्वास्थ्य को सहारा देता है, जिससे वह परिवार और सामाजिक जीवन में बेहतर भागीदारी कर सकती है। जब स्वास्थ्य के साथ महिला को आर्थिक अवसर भी मिलते हैं तो उसका आत्मविश्वास और निर्णयों में भागीदारी बढ़ती है। इस तरह पोषण और महिला सशक्तिकरण एक-दूसरे के पूरक बनकर परिवार की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में भूमिका निभाते हैं।

लक्ष्मी ने पोषण को बनाया सेवा और आजीविका का माध्यम

ग्राम खैरबार की लक्ष्मी यादव की कहानी पोषण और महिला सशक्तिकरण के इसी संबंध को सामने लाती है। बिहान के माध्यम से स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्हें ह्यपोषण सखीह्न के रूप में कार्य करने का अवसर मिला। अब वे आर्थिक गतिविधि से जुड़ने के साथ गांव की गर्भवती एवं शिशुवती माताओं और बच्चों को पोषण एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक कर रही हैं। घर-घर जाकर संतुलित आहार, स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने वाली लक्ष्मी की भूमिका बताती है कि अवसर और आजीविका मिलने पर महिलाएं अपने परिवार के साथ पूरे समुदाय में सकारात्मक बदलाव की सहभागी बन सकती हैं। उन्हें मिलने वाली आय के साथ महतारी वंदन योजना की आर्थिक सहायता भी परिवार के लिए अतिरिक्त संबल बन रही है।

आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषण के साथ सीखने का बेहतर वातावरण

बच्चों के पोषण और प्रारंभिक विकास में आंगनबाड़ी केंद्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उदयपुर विकासखंड का सलकापारा आंगनबाड़ी केंद्र इसका उदाहरण है। पहले किराए के जर्जर भवन और सीमित स्थान में संचालित केंद्र अब नवनिर्मित भवन में संचालित हो रहा है। आईसीडीएस और विकसित भारत जी राम जी योजना के अभिसरण से निर्मित भवन में बड़ा हॉल, रसोई, स्टोर, शौचालय, बाथरूम और पेयजल जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। यहां बच्चों को प्री-स्कूल शिक्षा और पोषण संबंधी सेवाओं का लाभ मिल रहा है। गर्भवती माताएं और किशोरी बालिकाएं भी स्वास्थ्य एवं पोषण से जुड़ी सेवाओं से जुड़ रही हैं। यह बदलाव बताता है कि बच्चों के समग्र विकास के लिए पोषण के साथ सुरक्षित भवन, स्वच्छता, पेयजल, प्रारंभिक शिक्षा और जागरूकता का वातावरण भी महत्वपूर्ण है।

आज का सुपोषित बच्चा, कल का सक्षम नागरिक

जीवन के शुरूआती वर्षों में पर्याप्त पोषण बच्चे के शारीरिक विकास और सीखने की क्षमता को सहारा देता है। स्वस्थ बच्चा शिक्षा, खेल और अन्य गतिविधियों में बेहतर ढंग से भाग ले सकता है। इसलिए बच्चों के शुरूआती वर्षों में स्वास्थ्य और पोषण पर किया गया निवेश वास्तव में आने वाली पीढ़ी में निवेश है। आज स्वस्थ वातावरण में बढ़ने वाला बच्चा आगे चलकर अपनी शिक्षा और क्षमताओं के अनुरूप विभिन्न क्षेत्रों में योगदान दे सकता है। यही मानव संसाधन भविष्य में राज्य की सामाजिक और आर्थिक प्रगति का आधार बनता है।

पोषण से परिवार और परिवार से मजबूत होता है समाज

पोषण का प्रभाव एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। स्वस्थ मां बच्चों की बेहतर देखभाल कर सकती है। स्वस्थ और सुपोषित बच्चा शिक्षा तथा विकास के अवसरों का बेहतर उपयोग कर सकता है। आगे चलकर यही स्वस्थ और शिक्षित पीढ़ी रोजगार, उद्यम, कृषि और अन्य सामाजिक-आर्थिक गतिविधियों में योगदान देती है। इस दृष्टि से पोषण पर किया गया निवेश मानव संसाधन की गुणवत्ता मजबूत करने का भी निवेश है। स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण का यह जुड़ाव परिवारों को अधिक सक्षम बनाने के साथ समाज के दीर्घकालिक विकास को आधार देता है।

पोषण से सशक्तिकरण तक भविष्य की मजबूत नींव

महिलाओं और बच्चों से जुड़ी योजनाओं का महत्व तत्काल सहायता से आगे बढ़कर भविष्य की स्वस्थ और सक्षम पीढ़ी तैयार करने से जुड़ता है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना मातृत्व के दौरान आर्थिक सहयोग देती है, आंगनबाड़ी सेवाएं पोषण एवं प्रारंभिक शिक्षा का आधार बनती हैं, बिहान महिलाओं को समूह और आजीविका से जोड़ता है, वहीं महतारी वंदन योजना की आर्थिक सहायता महिलाओं को अतिरिक्त संबल प्रदान करती है।

आज गर्भवती महिला के पोषण और स्वास्थ्य पर दिया गया ध्यान कल स्वस्थ बच्चे की नींव बन सकता है। आज बच्चे को मिला पोषण और प्रारंभिक सीखने का बेहतर वातावरण कल उसकी क्षमताओं को विकसित करने में सहायक हो सकता है। सुपोषित महिला, स्वस्थ बच्चा और सक्षम युवा की यही श्रृंखला आत्मनिर्भर, सशक्त और विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत मानवीय पूंजी तैयार करने का आधार है।

159 उद्यानों में पहुंची पुलिस, नागरिकों को किया साइबर अपराधों से बचाव के लिए जागरूक

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

साइबर अपराधों की रोकथाम और आम नागरिकों को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से दुर्ग जिले में 15 अगस्त से 02 अक्टूबर 2026 तक साइबर जागृति अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत दुर्ग पुलिस ने जिले के 159 उद्यान, पार्क एवं मैदानों में पहुंचकर मॉर्निंग वॉक करने वाले नागरिकों सहित विभिन्न सामाजिक एवं नागरिक समूहों के बीच साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए।

पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार संचालित इस अभियान में जिले के सभी राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारी, प्रशिक्षु उप निरीक्षक तथा विभिन्न थाना एवं पुलिस इकाइयों में पदस्थ अधिकारी-कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता की। पुलिस टीमों ने अपने-अपने क्षेत्रों में स्थित उद्यानों, पार्कों एवं मैदानों में पहुंचकर नागरिकों से प्रत्यक्ष संवाद किया और उन्हें साइबर अपराधों से बचाव के

उपाय बताए।

पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नागरिकों को ऑनलाइन ठगी, संदिग्ध फोन कॉल एवं लिंक, फर्जी मैसेज, OTP, PIN, पासवर्ड तथा बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा नहीं करने की सलाह दी। साथ ही सुरक्षित डिजिटल लेन-देन के लिए आवश्यक सावधानियों की जानकारी देते हुए किसी भी अनजान व्यक्ति के कहने पर मोबाइल में ऐप डाउनलोड करने अथवा संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचने के लिए समझाइश दी गई।

अभियान के दौरान वरिष्ठ नागरिकों, युवाओं, मॉर्निंग वॉक करने वाले लोगों तथा विभिन्न सामाजिक और नागरिक समूहों को साइबर अपराधों की रोकथाम में व्यक्तिगत सतर्कता के महत्व से अवगत कराया गया। पुलिस ने लोगों से कहा कि साइबर अपराधों से बचाव के लिए स्वयं जागरूक रहने के साथ परिवार और परिचितों को भी जागरूक करें।

साइबर जागृति अभियान के तहत पुलिस कार्यालय और थाना स्तर तक सीमित रहने के बजाय पुलिस अधिकारी-कर्मचारी सीधे आम नागरिकों के बीच पहुंचकर साइबर सुरक्षा का संदेश दे रहे हैं। जिलेभर में आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों के दौरान नागरिकों एवं विभिन्न समूहों ने पुलिस की इस पहल की सराहना की तथा साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों के लिए पुलिस का धन्यवाद ज्ञापित किया।

दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ डळढ, ढक्ठ, पासवर्ड, बैंक खाते या अन्य गोपनीय जानकारी साझा न करें। संदिग्ध कॉल, लिंक अथवा ऑनलाइन गतिविधि के प्रति सतर्क रहें और साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना दें। पुलिस ने कहा कि साइबर अपराधों से बचाव में जागरूकता और सतर्कता ही सबसे महत्वपूर्ण सुरक्षा उपाय हैं।

खास खबर

भाजपा कार्यकर्ताओं ने चलाया स्वच्छता अभियान, पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर रावण भाटा में की साफ-सफाई

नई दृष्टिबिंदु / जामुल

भारतीय जनता पार्टी जामुल मंडल द्वारा मंडल अध्यक्ष प्रशांत बंटी गुप्ता के नेतृत्व में सेवा पखवाड़ा के तहत पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। रावण भाटा जामुल स्थित हनुमान मंदिर के समीप आयोजित कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं ने साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। कार्यक्रम में सेवा पखवाड़ा प्रभारी एवं पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रेखराम बंछोर ने कहा कि स्वच्छता केवल अभियान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना जरूरी है। कार्यकर्ताओं ने मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र की सफाई कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक ओमप्रकाश साहू, सहसंयोजक एवं युवा मोर्चा अध्यक्ष यशवंत राजपूत, ध्रुव देवांगन, जिला कार्यसमिति सदस्य जोगेश्वर सोनी, वरिष्ठ पार्षद कविता विसवाल, मंडल उपाध्यक्ष अरुण यादव, कार्यालय प्रभारी रामचंद्र साहू, पूर्व महामंत्री एवं झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ जिला संयोजक नूतन वर्मा, पूर्व पार्षद मेघनाथ साहू सहित भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गणपति बप्पा मौर्या अगले बरस तू जल्दी आ

बिश्नोई गैंग के नाम पर 25 करोड़ की रंगदारी एजाज ढेबर का भतीजा शोएब गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी में कांग्रेस नेता आनंद कुकरेजा से 25 करोड़ की रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस ने पूर्व महापौर एजाज ढेबर के भतीजे शोएब ढेबर को गिरफ्तार किया है। तेलीबांधा पुलिस के अनुसार लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर धमकी भरा कॉल नए मोबाइल और सिम से किया गया था। एक्सटॉर्शन की धाराओं में केस दर्ज है। **5 हजार में कराया था कॉल :** जांच में खुलासा हुआ कि एक युवक ने 5 हजार रुपये लेकर धमकी भरा कॉल किया था। उसी ने पूछताछ में शोएब का नाम लिया। पुलिस कॉल के लिए सिम और फोन की व्यवस्था की जांच कर रही है। **चाचा से 50 करोड़ की मांग :** जांच में यह भी सामने आया कि एजाज ढेबर से भी बिश्नोई और अमन साव गैंग के नाम पर 50 करोड़ की मांग की गई थी, जिसकी शिकायत कोतवाली थाने में दर्ज है। **पुराना रिकॉर्ड :** शोएब पर पहले से केस दर्ज हैं। सितंबर 2024 में जूक क्लब मारपीट और अगस्त 2025 में जेल में प्रहरी से विवाद में गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस मोबाइल डिटेल और गैंग कनेक्शन की जांच में जुटी है।

बारिश के बीच आयुक्त लीना कोसम ने संभाला मोर्चा, शहर की व्यवस्था का लिया जायजा

मौके पर पहुंच रही निगम की टीम, नालियों की तल तक सफाई के दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शहर में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए नगर पालिक निगम दुर्ग अलर्ट मोड पर है। बारिश के दौरान जलनिकासी व्यवस्था सुचारु बनाए रखने और जलजमाव की स्थिति पर सतत निगरानी के लिए निगम आयुक्त लीना कोसम ने शुक्रवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों एवं मैदानी अमले को निर्देश दिए कि बारिश के दौरान आम नागरिकों के साथ-साथ गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

आयुक्त लीना कोसम ने स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता सहित निगम की टीम के साथ शिवनाथ नदी विसर्जन स्थल, पुलगांव चौक स्थित सामुदायिक भवन, वार्ड क्रमांक 9, 10 एवं 11 के शंकर नगर, वार्ड क्रमांक 15 करीडीह तथा वार्ड क्रमांक 54 पोटियाकला सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सड़कों, नालियों और जलनिकासी व्यवस्था की मौके पर स्थिति देखी।

जिन क्षेत्रों से जलजमाव की शिकायतें प्राप्त हो रही थीं, वहां आयुक्त स्वयं पहुंचीं और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर खड़े होकर नालियों की तल तक सफाई करवाते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि जहां भी नालियों में जलभराव अथवा पानी के बहाव में रुकावट हो, वहां तत्काल सफाई कर जलनिकासी का सुचारु प्रवाह सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान शहर के प्रमुख हिस्सों में गंभीर जलजमाव की स्थिति नहीं पाई गई। बारिश को देखते हुए नगर निगम की विशेष टीमों को अलर्ट रखा गया है। शहर के अलग-अलग वार्डों में निगम का मैदानी अमला लगातार जलनिकासी व्यवस्था की निगरानी कर रहा है। जलजमाव अथवा पानी निकासी से संबंधित शिकायत मिलते ही टीम तत्काल मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

आयुक्त लीना कोसम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बारिश के दौरान मुख्य मार्गों के साथ-साथ निचले एवं संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान शहर को जलजमाव से मुक्त रखना तथा नागरिकों को सुगम आवागमन एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

अचानक जलजमाव की स्थिति से निपटने के लिए नगर निगम ने आवश्यक संसाधनों को तैयार रखा है। अधिकारियों के अनुसार पानी निकासी के लिए सकर मशीन, जेसीबी सहित अन्य आवश्यक उपकरण पूरी तरह मुस्तैद हैं। किसी भी क्षेत्र में पानी जमा होने की सूचना मिलने पर तत्काल टीम एवं मशीनरी को मौके पर भेजकर निकासी की जा रही है। इसके साथ ही शहर की नालियों और नालों में पानी के बहाव में किसी प्रकार की रुकावट न आए, इसके लिए लगातार सफाई और निगरानी की जा रही है। आयुक्त ने मैदानी अमले को निर्देश दिए कि बारिश के दौरान किसी भी शिकायत को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

मूसलाधार बारिश से दुर्ग की निचली बस्तियों में जलभराव, धीरज बाकलीवाल ने किया प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

शहर में पिछले दो दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के चलते कई निचली बस्तियों में जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई है। इसी बीच शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व महापौर धीरज बाकलीवाल ने शुक्रवार को कांग्रेसजनों के साथ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर जलभराव की स्थिति का जायजा लिया। बारिश के कारण शंकर नाला उफान पर आने से वार्ड क्रमांक 09 के शंकर नगर-दुर्गा चौक, वार्ड क्रमांक 04, वार्ड क्रमांक 56 के रामनगर-उरला, वार्ड क्रमांक 15 एवं 16 के पटरी पार क्षेत्र के अलावा बोरसी-पोटिया क्षेत्र की निचली बस्तियों में पानी भरने की स्थिति सामने आई। कांग्रेस नेताओं के अनुसार, कई स्थानों पर जलभराव के कारण सड़कें तालाब और डबरा जैसी स्थिति में तब्दील हो गईं, वहीं कुछ प्रभावित परिवारों के घरों में भी पानी प्रवेश कर गया। निरीक्षण के दौरान धीरज बाकलीवाल ने नगर निगम प्रशासन पर समय रहते नाला-नालियों की सफाई नहीं कराने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यदि मानसून से पहले नालों और नालियों की समुचित सफाई कराई जाती तो जलभराव की स्थिति को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा पूर्व में भी प्रशासन से नाला-नाली सफाई और जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की जाती रही है। इस दौरान नगर निगम नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, पूर्व पार्षद विजेंद्र भारद्वाज, पश्चिम ब्लॉक अध्यक्ष आनंद कपूर ताम्रकार, भोजराम यादव, परमेश्वर वैष्णव, आयुष शर्मा, हिमांशु शर्मा सहित स्थानीय नागरिक एवं कांग्रेसजन मौजूद रहे।

तेज बहाव में पेड़ में फंसे युवक का पुलिस ने किया रेस्क्यू, बची जान

नई दृष्टिबिंदु / उतई

उतई थाना क्षेत्र के कोकड़ी नाला पुल पर तेज बारिश के बीच मोटरसाइकिल सहित बहे युवक को पुलिस और डायल-112 टीम ने सुरक्षित बचा लिया।

ग्राम पाउवारा निवासी लोकेश्वर साहू 25 सितंबर को बाइक से खम्हरिया जा रहे थे। पुल पर पानी का बहाव तेज होने से बाइक सहित बह गए और एक पेड़ के सहारे लटक कर फंस गए। युवक ने कंट्रोल रूम को फोन कर मदद मांगी।

सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक मोहन भारद्वाज, प्रशिक्षु रक दीपक कुमार, प्रधान आरक्षक आशीष सिंह, आरक्षक राजीव दुबे, दीपक जॉन और डायल-112 टीम मौके पर पहुंची और सूझबूझ से युवक को सुरक्षित बाहर निकाला।

दुर्ग पुलिस ने अपील की है बारिश में नदी-नाला, पुल-पुलिया पर तेज बहाव में पार करने का जोखिम न लें, आपात में तत्काल 112 या कंट्रोल रूम को सूचना दें।

लगातार बारिश से क्षेत्र में जनजीवन प्रभावित : टिकेश्वरी देशमुख

लगातार हो रही वर्षा से तांदुला एवं शिवनाथ नदी के आसपास बसे ग्रामों एवं क्षेत्र के इट भट्ठों एवं बाड़ियों के आसपास क्षेत्र में जनजीवन प्रभावित हुए हैं। क्षेत्र के पूर्व जनपद सदस्य एवं पूर्व सभापति टिकेश्वरी लाल देशमुख ने निरीक्षण के दौरान कहा कि लगातार बारिश से गांव के कई क्षेत्र प्रभावित हुए हैं। उन्होंने जनता के बीच पहुंचकर उनके रख रखाव स्वास्थ्य की सुविधा आदि विषय पर चर्चा की। चर्चा दौरान उन्होंने सलाह दिया कि ग्राम पंचायत द्वारा की गई उचित व्यवस्था के तहत वह अपने सुरक्षित स्थान पर पहुंच जाये साथ ही अपने स्वास्थ्य के ध्यान रखें क्योंकि लगातार बारिश हो रही है जिससे घरों में पानी घुस गए हैं कई घर प्रभावित हुए हैं और साथ ही साथ जान माल की नुकसान होने की संभावनाओं को ध्यान रखते हुए उचित सलाह दिए हैं । निरीक्षण के दौरान ग्राम भरदा के भाटापारा में हुए लगभग 50 प्रभावित घरों में जाकर प्रभावितों से बात की । देशमुख ने जिला प्रशासन से क्षेत्र का निरीक्षण कर उचित व्यवस्था एवं सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया । इस दौरान साथ में सरपंच सुनीता भारतीय, पूर्व सरपंच जयप्रकाश भारतीय, पंच निर्मल देशमुख , सुमेंद्र निषाद श्रवण देशमुख भोमराज , शेखर यादव, ग्राम कोटवार सहित ग्रामीण जन उपस्थित थे।

बारिश से जलभराव वाले क्षेत्रों में नगर निगम ने की त्वरित कार्रवाई

पुलिया और नालियों में जाम कचरा हटाकर पानी निकासी की व्यवस्था

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

रात्रिकाल से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई है। कुछ स्थानों पर पुलिया एवं नालियों में कचरा फंस जाने के कारण पानी का बहाव प्रभावित हुआ, जिसे देखते हुए निगम द्वारा तत्काल मैदानी अमले को सक्रिय कर जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

निगम आयुक्त सुरूचि सिंह के निदेर्शानुसार विभिन्न क्षेत्रों में सफाई कर्मियों एवं संबंधित अमले द्वारा जलभराव वाले स्थानों का निरीक्षण

कर पुलिया, नालियों एवं पानी के निकासी मार्ग में फंसे कचरे को हटाया गया है। जहां भी पानी का बहाव अवरुद्ध मिला, वहां तत्काल सफाई कर पानी निकासी का रास्ता बनाया गया है। निगम का मैदानी अमला लगातार क्षेत्रों में निगरानी करते हुए जलभराव वाले स्थानों पर आवश्यक कार्रवाई किया है। बारिश के दौरान नालियों एवं पुलियों में कचरा जमा होने से पानी की निकासी प्रभावित होती है, जिसके कारण सड़कों एवं आसपास के क्षेत्रों में पानी एकत्रित हो जाता है। निगम द्वारा ऐसे स्थानों पर विशेष रूप से सफाई कर कचरा हटाने के साथ ही पानी के सुचारू बहाव की व्यवस्था की गई है।

निगम अधिकारियों ने बताया कि लगातार बारिश के कारण कुछ स्थानों पर अस्थायी रूप से जलभराव की स्थिति बनी है। बारिश रुकने के बाद पानी की निकासी तेजी से होने लगेगी और जलभराव की स्थिति से लोगों को राहत मिलेगी। निगम का अमला बारिश के दौरान भी मैदानी क्षेत्रों में सक्रिय रहकर जल निकासी एवं सफाई व्यवस्था पर लगातार नजर बनाए हुए है।

संवाद का कदम मीडिएशन 3 .0 को नई गति देने के लिए दुर्ग में मीडिएटर अधिवक्ताओं की विशेष बैठक

जहाँ विवाद रुकता है, वहीं से संवाद शुरू होता है

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

हर विवाद का अंत अदालत के आदेश से ही हो, यह जरूरी नहीं। कई बार एक बातचीत, एक समझ और एक सही समय पर उठाया गया संवाद का कदम, वर्षों से चले आ रहे विवाद को खत्म कर सकता है। इसी सोच को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की दिशा में मीडिएशन 3.0 अब एक ऐसे अभियान के रूप में आगे बढ़ रहा है, जिसका केंद्र केवल केस का निपटारा नहीं, बल्कि लोगों के बीच समाधान की संस्कृति विकसित करना है।

इसी उद्देश्य से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग के मार्गदर्शन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग के सभागार में मीडिएटर अधिवक्ताओं एवं एडवोकेट मीडिएटर्स की विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में इस बात पर गहन चर्चा हुई कि मीडिएशन 3.0 के माध्यम से अधिक से अधिक विवादों को संवाद, सहमति और मध्यस्थता की राह पर कैसे लाया जाए। बैठक का मूल संदेश स्पष्ट था "विवाद

बढ़ाना नहीं, समाधान तक पहुंचना है। मीडिएशन 3.0 को तीन चरणों में आगे बढ़ाया जा रहा है। पहले चरण में ऐसे प्रकरणों की पहचान और उन्हें मध्यस्थता के लिए रेफर करने पर फोकस है। इसके बाद संवाद और समझौते की प्रक्रिया होगी और अंतिम चरण में हुए समझौतों के सत्यापन एवं प्रकरणों के समापन की कार्यवाही की जाएगी।

Mediation 3.0 : तीन चरण, एक लक्ष्य

Stage I - Identification & Referral 01 अगस्त से 30 सितंबर 2026

Stage II - Mediation & Settlement 01 अक्टूबर से 30 नवंबर 2026

Stage III - Settlement, Verification & Closure 01 दिसंबर से 31 दिसंबर 2026

इन तीनों चरणों का उद्देश्य एक ही है-जहाँ संभव हो, विवाद को संघर्ष से संवाद और मुकदमे से समाधान की ओर ले जाना। मध्यस्थता की प्रक्रिया के दौरान पक्षकारों को यह जानकारी दी जा रही है कि वे निर्धारित अवधि में मीडिएशन सेंटर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग अथवा संबंधित न्यायालय से संपर्क कर मीडिएशन 3.0 का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। मध्यस्थता की सबसे बड़ी ताकत यही है कि इसमें समाधान केवल थोपा नहीं जाता, बल्कि पक्षकार स्वयं अपने समाधान का हिस्सा बनते हैं। यही वजह है कि यह प्रक्रिया केवल कानूनी विवाद को समाप्त करने तक सीमित नहीं रहती, बल्कि कई बार टूटते संबंधों को संवाद का एक और अवसर भी देती है।

मीडिएशन 3.0 को अधिक प्रभावी बनाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जनजागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। विभिन्न स्तरों पर लोगों तक यह संदेश पहुंचाया जा रहा है कि हर विवाद का समाधान लंबी लड़ाई में नहीं, बल्कि सही समय पर की गई सही बातचीत में भी संभव है। युवा पीढ़ी की भाषा में कहें तो- "Argument से पहले Conversation, और Conflict से पहले Mediation."

यही विचार मीडिएशन 3.0 को एक अभियान से आगे बढ़ाकर संवाद आधारित न्याय की नई संस्कृति बनाने की दिशा में ले जा रहा है। दुर्ग से उठ रही यह पहल इस संदेश के साथ आगे बढ़ रही है कि न्याय केवल फैसला सुनाना नहीं, बल्कि जहां संभव हो वहां पक्षकारों को स्वयं समाधान तक पहुंचने का अवसर देना भी है।

29 से लगेंगे सेवा सेतु शिविर, एक ही स्थान पर मिलेंगी कई सरकारी योजनाओं की सुविधाएं

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

राज्य शासन की जनसेवा एवं विकसित भारत 2047 के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा सेवा संकल्प अभियान के तहत 29 सितंबर से सेवा सेतु शिविरों का आयोजन किया जाएगा। शिविरों में नागरिकों को विभिन्न शासकीय योजनाओं और जनकल्याणकारी सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जाएगा।

शिविरों में नागरिकों की सुविधा के लिए अलग-अलग विभागों के विशेष काउंटर लगाए जाएंगे। इनमें पेंशन, महिला एवं बाल विकास, दिव्यांगजन सेवाएं, प्रधानमंत्री आवास योजना, राशन कार्ड, पीएम स्वनिधि, जन्म-मृत्यु-विवाह पंजीयन, आयुष्मान कार्ड, स्वास्थ्य जांच एवं उपचार, आधार अपडेशन, श्रमिक कार्ड पंजीयन, दिव्यांग उपकरण, पीएम सूर्यघर योजना और राजस्व विभाग से संबंधित सेवाएं शामिल हैं। 29 सितंबरः वार्ड 20 लोकांगन वैशाली नगर में वार्ड 14, 15 एवं 19 से 23 तक के नागरिकों के लिए शिविर लगेगा। वार्ड 33 मंगल भवन बैकुण्ठधाम में वार्ड 30 से 37 एवं 52 से 56 तक तथा वार्ड 42 श्रीराम वाटिका डोम शेड में वार्ड 38 से 43 एवं 51 तक के नागरिकों के लिए शिविर आयोजित होगा। 30 सितंबरः वार्ड 56 गुड़िचा मंच सेक्टर-10 में वार्ड 57 से 70 तक तथा वार्ड 25 सूर्यकुंड डोम शेड में वार्ड 24 से 29 तक के नागरिकों के लिए शिविर लगाया जाएगा।

1 अक्टूबरः वार्ड 4 सियान सदन नेहरू नगर में वार्ड 1 से 8 तक तथा वार्ड 45 साईं मंदिर प्रांगण डोम शेड में वार्ड 44 से 50 तक के नागरिकों के लिए शिविर होगा।

2 अक्टूबरः वार्ड 17 मुख्य कार्यालय सभागार कक्ष में वार्ड 9 से 13 एवं 17 से 18 तक के नागरिकों के लिए सेवा सेतु शिविर लगाया जाएगा।

निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने क्षेत्र के लिए निर्धारित शिविर स्थल पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ पहुंचकर संबंधित योजनाओं और सेवाओं का लाभ उठाएं। शिविरों का उद्देश्य पात्र हितग्राहियों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने के साथ उनकी समस्याओं का मौके पर निराकरण करना भी है। पूरे सेवा सेतु शिविर के नोडल अधिकारी निगम अपर आयुक्त राजेन्द्र कुमार दोहरे होंगे। संबंधित जोन आयुक्तों को सहायक नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है।

समझदारी वही, जहाँ लोग आपको ज़रूरी समझें : अविका गोर

एक्ट्रेस अविका गोर, जो बालिका वधू, 1920- हॉरर्स ऑफ़ द हार्ट और ब्लडी इश्क में अपने काम के लिए जानी जाती हैं, ने अकेलेपन के कॉन्सेप्ट पर बात की है। उन्होंने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर एक बहुत ही पर्सनल और सोचने पर मजबूर करने वाला मैसेज लिखा, जिसमें उन्होंने एक तरह के अकेलेपन के बारे में बात की, जिस पर अक्सर ध्यान नहीं जाता। एक्ट्रेस ने उस इमोशनल अकेलेपन के बारे में बताया जो लोगों से घिरे होने पर भी हो सकता है।उन्होंने लिखा, हाल ही में, मुझे एहसास हुआ है कि अकेलापन हमेशा अकेले होनेजैसा नहीं होता। कभी-कभी यह सौ लोगों को जानने जैसा लगता है, लेकिन यह न जानना कि आप कहाँ के हैं। आपके आने से बहुत पहले बने सर्कल में फिट होने की कोशिश करना थका देने वाला हो सकता है, आप कोशिश करते रह सकते हैं लेकिन हर कोई मानता है कि आपको उनकी ज़रूरत नहीं है या आप बहुत ज़्यादा ज़रूरतमंद और चिपके रहने वाले हैं। मैंने अपनी पूरी ज़िंदगी अपने करियर को दे दी, बिना यह महसूस किए कि समय के साथ लोगों का आपको बिना किसी शर्त के अपनी ज़िंदगी में शामिल करना कितना मुश्किल हो जाता है।कोई आपको यह नहीं बताता कि बड़ा होना सिर्फ़ समय गंवाने के बारे में नहीं है।

सिद्धार्थ शुक्ला को याद कर शहनाज ने बताया प्यार का असली मतलब

बॉलीवुड एक्ट्रेस और बिग बॉस 13 फेम शहनाज गिल ने हाल ही में एक इंटरव्यू में प्यार को लेकर अपनी सोच साझा की। उन्होंने बताया कि उनके लिए प्यार सिर्फ एक भावना नहीं, बल्कि एक-दूसरे को समझने, सम्मान देने और हर परिस्थिति में साथ खड़े रहने का नाम है। बातचीत के दौरान शहनाज अपने विचार रखते हुए कभी भावुक नजर आईं तो कभी मुस्कुराती हुई दिखाई दीं। शहनाज गिल ने कहा कि उनके लिए प्यार का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा एक-दूसरे का साथ देना और एक-दूसरे की कद्र करना है। उन्होंने बताया कि जो व्यक्ति आपसे सचा प्यार करता है, वह आपको भीड़ में भी पहचान लेता है और आपकी मौजूदगी को महसूस करता है। इंटरव्यू के दौरान जब शहनाज से पूछा गया कि उनके लिए प्यार का क्या मतलब है, तो उन्होंने कहा, मेरे लिए प्यार का मतलब है एक-दूसरे को सपोर्ट करना। एक-दूसरे की इजत करना बहुत जरूरी है। चाहे कैसी भी परिस्थिति हो, जो आपसे प्यार करता है, वह भीड़ में भी आपको पहचान लेगा। शहनाज ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि प्यार छोटी-छोटी चीजों में दिखाई देता है। उन्होंने बताया कि किसी खास व्यक्ति का आपको भीड़ में भी पहचान लेना और आपके होने का एहसास करना भी प्यार का हिस्सा है। उनके अनुसार, रिश्ते में दिखावे से यादा ज़रूरी आपसी समझ और सम्मान होता है।बता दें कि शहनाज गिल का नाम बिग बॉस 13 के दौरान काफी चर्चा में आया था। इसी शो में उनकी मुलाकात अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला से हुई थी। दोनों की दोस्ती और बॉन्डिंग दर्शकों को काफी पसंद आई थी। शो के दौरान दोनों के बीच खास कनेक्शन देखने को मिला, जिसके बाद फैंस उन्हें पसंदीदा जोड़ी के रूप में देखने लगे थे।

हालांकि, सितंबर 2021 में सिद्धार्थ शुक्ला के अचानक निधन ने शहनाज को गहरा सदमा पहुंचाया था। सिद्धार्थ की मौत हार्ट अटैक के कारण हुई थी। इस घटना के बाद शहनाज काफी समय तक सार्वजनिक जीवन से दूर रहीं और खुद को संभालने में समय लगाया। कई मौकों पर उन्होंने सिद्धार्थ को याद भी किया है।सिद्धार्थ शुक्ला के निधन के बाद शहनाज ने धीरे-धीरे अपने करियर पर ध्यान देना शुरू किया। सलमान खान ने भी उन्हें जिंदगी में आगे बढ़ने की सलाह दी थी। हालांकि, अभी तक शहनाज ने अपने रिलेशनशिप स्टेटस को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है।

वर्क फ्रंट की बात करें तो शहनाज गिल ने बॉलीवुड में साल 2023 में फिल्म किसी का भाई किसी की जान से डेब्यू किया था। इसके बाद वह थैंक्यू फॉर कमिंग और इक्क कुड़ी जैसी फिल्मों में नजर आईं। अब उनकी आने वाली फिल्मों में सिंह वर्सेज कौर 2 और सब फर्स्ट क्लास शामिल हैं।

शहनाज गिल की लोकप्रियता सिर्फ हिंदी सिनेमा तक सीमित नहीं है, बल्कि पंजाबी दर्शकों के बीच भी उनकी अच्छी पकड़ है। अब फैंस उनकी आने वाली फिल्मों का इंतजार कर रहे हैं और देखना होगा कि वह बॉक्स ऑफिस पर कितना प्रभाव छोड़ पाती हैं।

सहारा शाह को विवेक ओबेरॉय ने 2 साल की उम्र में लिया था गोद, अब फिल्मों में बनेगी हीरोइन

सहारा ने डॉक्टर्स के इलाज और अपने मजबूत इरादों के दम पर कैंसर को पूरी तरह हरा दिया है. कैंसर से जंग जीतने के बाद सहारा ने अपनी पढ़ाई पूरी की. और एविएशन की ट्रेनिंग खत्म की. वो जल्द ही एक कमर्शियल पायलट बनने की राह पर हैं. इसके अलावा सहारा ने अपने पिता विवेक ओबेरॉय के नक्शेकदम पर चलने का फैसला किया है.

बॉलीवुड एक्टर विवेक ओबेरॉय शानदार एक्टिंग के साथ-साथ अपनी दरियादिली और सोशल वर्क के लिए भी जाने जाते हैं. हाल ही में मुंबई में हुए कैंसर रोज डे इवेंट में एक ऐसा इमोशनल मोमेंट देखने को मिला, जिसने हर किसी की आंखें नम कर दीं. विवेक ओबेरॉय की गोद ली हुई बेटी सहारा शाह 22 साल की उम्र में एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं. आखिर सहारा शाह कौन हैं?सहारा शाह जब महज ढाई साल की थीं, तब उन्होंने कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से जंग लड़ी. उस समय विवेक ओबेरॉय ने कैंसर पेशेंट्स एड एसोसिएशन के जरिए फाइनेंशियल तौर से कमजोर बचों के इलाज और पढ़ाई का जिम्मा उठाया था. हॉस्पिटल में कीमोथैरेपी के दौरान विवेक की मुलाकात सहारा से हुई. जिसके बाद विवेक ने सहारा को गोद ले लिया और उनके पूरे इलाज और परवरिश की जिम्मेदारी उठाई.

सहारा ने डॉक्टर्स के इलाज और अपने मजबूत इरादों के दम पर कैंसर को पूरी तरह हरा दिया है. कैंसर से जंग जीतने के बाद सहारा ने अपनी पढ़ाई पूरी की. और एविएशन की ट्रेनिंग खत्म की. वो जल्द ही एक कमर्शियल पायलट बनने की राह पर हैं. इसके अलावा सहारा ने अपने पिता विवेक ओबेरॉय के नक्शेकदम पर चलने का फैसला किया है. सहारा शाह नेपाली फिल्म इंडस्ट्री में काम करने वाली हैं. वो फिल्म 26 करोड़ से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करेंगी. वो इस फिल्म में लीड एक्ट्रेस का रोल करती नजर आएंगी. कैंसर रोज डे इवेंट के दौरान सहारा ने स्टेज पर आकर विवेक ओबेरॉय के पैर छुए और उनसे आशीर्वाद लिया.

सहारा शाह ने अपनी इस डेब्यू फिल्म के पोस्टर को अनवील भी किया था. साथ ही कहती नजर आईं कि हम जिस बैकग्राउंड से आते हैं, वहां से एक्टिंग या फ्लाइंग के सपने देखना बहुत दूर की बात लगती थी. यह सब सिर्फ पापा की वजह से हो पाया है, उन्होंने हमेशा मुझे बड़े सपने देखने और खुद पर भरोसा रखने की ताकत दी।

ऊर्फी जावेद ने पपराज़ी को फिर किया खुश

ऊर्फी जावेद वाकई जानती हैं कि कैसे सुर्खियों में बने रहना है, और उनके प्रशंसक भी इस बात से सहमत होंगे। सोशल मीडिया सेंसेशन हमेशा कुछ न कुछ अप्रत्याशित लेकर आती हैं, चाहे वह उनके बोल्ड फैशन स्टेटमेंट हों या पैपराज़ी के साथ उनकी मस्ती भरी बातचीत। हाल ही में मुंबई में हुए एक इवेंट में, उन्होंने एक बार फिर सुर्खियाँ बटोरीं। कैमरों के लिए आकर्षक पोज़ देते हुए, ऊर्फी ने सहजता से ध्यान आकर्षित किया और जब एक फ़ोटोग्राफ़र ने उनसे कुछ सोलो शॉट्स के लिए कहा, तो उन्होंने अपने ख़ास अंदाज़ में एक चुटीला वन-लाइनर भी दिया, जिससे सबकी नज़रें उन पर टिक गईं। मुस्कुराते हुए, उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, कितना सोलो तो लिया है यार, जिससे एक हल्का-फुल्का पल बन गया। बाद में, उन्होंने अपने सपनों के पहनावे की एक परफेक्ट तस्वीर लेने के लिए घूमकर भी तस्वीरें लीं। उन्होंने इस ग्लैमरस इवेंट के लिए हल्के गुलाबी रंग की पोशाक पहनी थी, जिसमें स्ट्रैपलेस कोर्सेट-स्टाइल टॉप, मैचिंग स्कर्ट और गले में एक नाजुक दुपट्टा था।

टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल और उसका दुरुपयोग करने में फर्क है: श्रीलीला

'पुष्पा 2' फेम श्रीलीला ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के गलत इस्तेमाल पर चिंता जताई है. उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक लंबा नोट शेयर किया और सभी से एआई का गलत इस्तेमाल न करने की अपील की. उन्होंने कहा कि तकनीक का मकसद इंसान की जिंदगी को आसान बनाना है, न कि उसे और मुश्किल करना. उन्होंने लिखा, मैं हाथ जोड़कर हर सोशल मीडिया यूजर से निवेदन करती हूं कि एआई से बने नॉनसेंस को सपोर्ट न करें.श्रीलीला ने आगे लिखा, टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल और उसका दुरुपयोग करने में फर्क है. मेरी नजर में, तकनीक में हो रहे बदलाव जिंदगी को आसान बनाने के लिए हैं, न कि उसे और जटिल करने के लिए।

शिकायत पोर्टल का नियमित अवलोकन कर तय समय-सीमा में करें प्रकरणों का निराकरण : पीएस एल्मा

विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों, शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं और सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की जानकारी ली

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

जिले के प्रभारी सचिव पीएस एल्मा ने अपने एक दिवसीय जिला प्रवास के दौरान आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में शामिल होकर जिला स्तरीय अधिकारियों से विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों, शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं तथा सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की जानकारी ली और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर तनुजा सलाम उपस्थित रहीं।

बैठक में प्रभारी सचिव एल्मा ने जनदर्शन, मुख्यमंत्री जनदर्शन, सीएम हेल्पलाइन सहित विभिन्न शिकायत पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायत पोर्टल का नियमित रूप से अवलोकन करें तथा प्राप्त शिकायतों एवं आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि केवल प्रकरणों का निराकरण करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण एवं संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

प्रभारी सचिव ने बैठक में राजस्व विभाग से संबंधित प्रकरणों की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण की स्थिति की जानकारी लेते हुए प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने अभिलेख शुद्धता, नक्शा बंटाकन, स्वामित्व योजना, डीसीएस एवं बकेट क्लेम सहित विभिन्न राजस्व संबंधी कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राजस्व संबंधी सेवाओं का लाभ आम नागरिकों को समय पर मिले और लंबित मामलों के निराकरण के लिए प्रभावी कार्ययोजना के साथ कार्य किया जाए।

उन्होंने एग्रीस्टैक पंजीयन एवं फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने पंजीयन कार्य में तेजी लाने तथा पात्र किसानों का पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रभारी सचिव ने वीबी-जी रामजी के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की प्रगति की भी जानकारी ली। उन्होंने स्वीकृत कार्यों की स्थिति, प्रगति एवं क्रियान्वयन से संबंधित जानकारी लेते हुए कार्यों में गति लाने तथा निर्धारित गुणवत्ता एवं समय-सीमा के अनुरूप कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। बैठक में विभागीय अधिकारियों द्वारा विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति से प्रभारी सचिव को अवगत कराया गया। प्रभारी सचिव एल्मा ने सभी अधिकारियों को शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन, लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण तथा आम नागरिकों को बेहतर प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की ली जानकारी

बैठक में प्रभारी सचिव एल्मा ने जिले में संचालित सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों एवं आगामी गतिविधियों की जानकारी संबंधित नोडल अधिकारियों से ली। उन्होंने अभियान के अंतर्गत निर्धारित गतिविधियों की विभागवार तैयारियों की समीक्षा करते हुए कार्ययोजना के अनुरूप समयबद्ध ढंग से गतिविधियों का आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर तनुजा सलाम ने प्रभारी सचिव को अभियान के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि ह्यसेवा सेतुह्न के तहत क्लस्टर स्तर पर शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में शासन की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि ह्यसेवा मेरा योगदानह्न के अंतर्गत वृक्षारोपण, रक्तदान शिविर, योग एवं ध्यान जैसी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। साथ ही जिला मुख्यालय में मेगा हेल्थ शिविर आयोजित करने की तैयारियां भी की जा रही हैं। प्रभारी सचिव ने सेवा संकल्प अभियान की सभी गतिविधियों में जनभागीदारी सुनिश्चित करने तथा योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अभियान के उद्देश्य के अनुरूप प्रत्येक गतिविधि का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

खास खबर

नागरिक विज्ञान : प्रकृति जागरूकता व पर्यावरण संरक्षण पर हुआ कार्यशाला

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

शासकीय नवीन महाविद्यालय बेरला में विद्यार्थियों में प्रकृति, जैव विविधता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से "नागरिक विज्ञान: प्रकृति जागरूकता एवं पर्यावरण संरक्षण" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला शासकीय पॉलीटेक्निक बेरला के नेचर क्लब के सहयोग से आयोजित की गई।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता नरेंद्र वर्मा द्वारा विद्यार्थियों को iNaturalist, eBird एवं Season Watch जैसे महत्वपूर्ण Citizen Science प्लेटफॉर्म्स की व्यावहारिक जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि कैसे इन डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से अपने आसपास की वनस्पतियों, पक्षियों, जीव-जंतुओं और मौसमी बदलावों का अवलोकन कर वैज्ञानिक तरीके से दस्तावेजीकरण किया जा सकता है। विद्यार्थियों को जैव विविधता के आंकड़ों के अवलोकन, दस्तावेजीकरण और वैज्ञानिक डेटा संकलन की प्रक्रिया से विस्तार से अवगत कराया गया, ताकि वे अपने सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक प्राकृतिक परिस्थितियों से जोड़ सकें। विशेष रूप से वनस्पति विज्ञान एवं प्राणी विज्ञान के विद्यार्थियों को वैज्ञानिक डेटा संकलन में सक्रिय भागीदारी के अवसरों की जानकारी दी गई।

नेचर क्लब के प्रभारी डॉ. जयपाल सिंह बल ने नागरिक विज्ञान की उपयोगिता और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से वैज्ञानिक गतिविधियों में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. आस्था तिवारी, आईक्यूएसी प्रभारी बी. आर. सिवारे, सहायक प्राध्यापक आनंद कुमार कुर्रे, आशीष एक्का, खुशबू ध्रुव, गिरजा वर्मा सहित बड़ी संख्या में दोनों संस्थानों के एनएसएस स्वयंसेवकों और विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी युवराज पावले द्वारा किया गया।

राजनांदगांव जिले में अब तक 5919.2 मिमी वर्षा दर्ज

राजनांदगांव। राजनांदगांव जिले में इस वर्ष चालू मानसून वर्ष में 1 जून 2026 से अब तक जिले के सभी 7 तहसीलों में 5919.2 मिमी बारिश एवं औसत 845.6 मिमी बारिश दर्ज की गई है। भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी अनुसार डोंगरगढ़ तहसील में 857 मिमी, लाल बहादुर नगर तहसील में 836 मिमी, राजनांदगांव तहसील में 1049.3 मिमी, घुमका तहसील में 665 मिमी, छुरिया तहसील में 781.8 मिमी, कुमरदा तहसील में 976.5 मिमी, डोंगरगांव तहसील में 753.6 मिमी बारिश दर्ज की गई है। अब तक सर्वाधिक वर्षा राजनांदगांव तहसील में 1049.3 मिमी दर्ज की गई है। इसी तरह आज राजनांदगांव जिले के सभी 7 तहसीलों में 25.8 मिमी एवं औसत 3.7 मिमी बारिश दर्ज की गई है। डोंगरगढ़ तहसील में 6.2 मिमी, लाल बहादुर नगर तहसील में 0 मिमी, राजनांदगांव तहसील में 4.2 मिमी, घुमका तहसील में 3.5 मिमी, छुरिया तहसील में 6 मिमी, कुमरदा तहसील में 4.4 मिमी, डोंगरगांव तहसील में 1.5 मिमी बारिश दर्ज की गई है। सर्वाधिक वर्षा डोंगरगढ़ तहसील में 6.2 मिमी दर्ज की गई है।

जिले में अब तक 597.1 मिमी. औसत वर्षा दर्ज

बेमेतरा। चालू बारिश सीजन के दौरान बेमेतरा जिले में 01 जून 2026 से 25 सितंबर 2026 प्रतिवेदित दिनांक तक की स्थिति में सवेरे 8.00 बजे तक जिले में 597.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। जिले में अब तक सर्वाधिक वर्षा तहसील बेरला में 760.6 मि.मी. तथा न्यूनतम 429.5 मि.मी. वर्षा नवागढ़ तहसील में दर्ज की गई है। संयुक्त जिला कार्यालय के भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार बेमेतरा तहसील मे 464 मि.मी. वर्षा, देवकर तहसील में 539.5 मि.मी. वर्षा, थानखम्हरिया तहसील में 665 मि.मी. व भिंभौरी तहसील में 716.8 मि.मी., साजा तहसील में 616.7 मि.मी. वर्षा, दाढ़ी तहसील मे 546.4 मि.मी. वर्षा एवं नांदघाट तहसील में 635.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

चंडालपुर अब कहलाएगा चंदनपुर, राजपत्र लेकर गांव पहुंचे उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

गांव के विकास के लिए 11.70 लाख की घोषणा, दस्तावेजों में नाम बदलने लगेगा विशेष शिविर

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

तेज बारिश के बीच शुक्रवार देर रात उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा गांव की नई पहचान का राजपत्र लेकर चंदनपुर पहुंचे। लंबे समय से नाम परिवर्तन की मांग कर रहे ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उन्होंने राजपत्र की प्रति सौंपते हुए उन्हें बधाई दी। बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में ग्रामीण स्वागत के लिए जुटे रहे। मांग पूरी होने की खुशी में ग्रामीणों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और उप मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत किया। कबीरधाम जिले के ग्राम चंडालपुर का नाम अब आधिकारिक रूप से बदलकर चंदनपुर कर दिया गया है।

नाम परिवर्तन की खुशी के बीच उप मुख्यमंत्री ने गांव के विकास कार्यों के लिए सीसी रोड और सामुदायिक भवन के लिए 11.70 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की सुविधा के लिए विशेष शिविर लगाया जाएगा। इसमें आधार कार्ड सहित अन्य दस्तावेजों में गांव का नाम बदलने की प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी, ताकि ग्रामीणों को इसके लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। छत्तीसगढ़ शासन ने ग्राम चंदनपुर के नाम परिवर्तन का राजपत्र में विधिवत प्रकाशन कर दिया है। इसके साथ ही गांव का नया नाम अब सरकारी अभिलेखों और शासकीय वेब पोर्टल में स्थायी रूप से दर्ज रहेगा।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि ग्रामवासियों की ओर से लंबे समय से गांव का नाम बदलने की मांग की जा रही थी। स्थानीय लोगों की भावना और मांग को ध्यान में रखते हुए प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा गया। इसके बाद मंत्रिमंडल स्तर पर चर्चा हुई, राज्यपाल की स्वीकृति प्राप्त हुई और अंततः राजपत्र में इसका प्रकाशन किया गया। उन्होंने कहा कि राजपत्र में प्रकाशन के बाद अब ह्यचंदनपुरह्न नाम सरकारी अभिलेखों और संबंधित शासकीय वेब पोर्टलों में दर्ज रहेगा। उन्होंने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे भी अपने दैनिक व्यवहार और बोलचाल में गांव के नए नाम ह्यचंदनपुरह्न का उपयोग करें, ताकि आने वाली पीढ़ियां इसी नाम से गांव को जानें और इसकी पहचान आगे भी कायम रहे।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों के नाम केवल किसी स्थान की पहचान नहीं होते, बल्कि उनमें स्थानीय इतिहास, संस्कृति, परंपरा और जनभावनाएं भी जुड़ी होती हैं। चंदनपुर नाम से गांव को नई पहचान मिलना ग्रामवासियों की लंबे समय से चली आ रही भावना और मांग के सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि नाम परिवर्तन से क्षेत्र की स्थानीय पहचान और ग्रामवासियों की भावनाओं को मजबूती मिलेगी।

बाढ़ प्रभावित ग्राम करमसेन का सीईओ जिला पंचायत ने किया निरीक्षण

बेमेतरा। बेमेतरा जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन द्वारा राहत एवं बचाव कार्यों की सतत निगरानी की जा रही है। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशानुसार सीईओ जिला पंचायत श्रीमती प्रेमलता पदमाकर ने नवागढ़ विकासखंड के बाढ़ प्रभावित ग्राम करमसेन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्रामीणों की स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम में पर्याप्त खाद्य सामग्री एवं आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता, स्वच्छता व्यवस्था तथा प्रभावित लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखने को कहा। सीईओ जिला पंचायत ने संबंधित विभागों की टीम को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए जरूरतमंद परिवारों तक आवश्यक सहायता समय पर पहुंचाने के निर्देश दिए। साथ ही स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं पर विशेष निगरानी रखने तथा गांव में स्वच्छता बनाए रखने के लिए भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम नवागढ़ सुश्री पिंकी मनहर सहित स्वास्थ्य, पंचायत एवं राजस्व विभाग की टीम मौके पर उपस्थित रही। अधिकारियों द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्र की स्थिति एवं आवश्यक राहत व्यवस्थाओं की जानकारी सीईओ जिला पंचायत को दी गई।

वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराने मूल्यांकन शिविर का हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा मेरा योगदान अंतर्गत समाज कल्याण विभाग तथा भारत सरकार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) द्वारा राष्ट्रीय वयोश्री योजना और एडिप योजना के तहत पद्मश्री गोविंदराम निर्मलकर ऑडिटोरियम राजनांदगांव में राजनांदगांव नगर निगम एवं जनपद पंचायत क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों को जीवन सहायक उपकरण उपलब्ध करने हेतु मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 250 से अधिक वरिष्ठ नागरिक एवं दिव्यांगजनों ने सहायक उपकरण के लिए पंजीयन कराया।

जिला पंचायत अध्यक्ष किरण वैष्णव ने कहा कि सहायक उपकरण प्रदाय करने हेतु मूल्यांकन शिविर जिले के वरिष्ठ नागरिक एवं दिव्यांगजनों के लिए बहुत ही उपयोगी एवं लाभकारी सिद्ध हो रहा है। शिविर को जिला पंचायत उपाध्यक्ष किरण साहू, अध्यक्ष जनपद पंचायत राजनांदगांव प्रतिमा चन्द्रकार, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत राजनांदगांव अनीता सिन्हा, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती शीला टाकेश्वर सिन्हा, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती किरण बारले, श्रीमती पुष्पा उइके, पार्षद शिव वर्मा, पार्षद शैकी बग्गा ने भी संबोधित किया।

उप संचालक समाज कल्याण श्रीमती वैशाली मरडवार ने बताया कि मूल्यांकन शिविर के माध्यम से चिन्हांकित वरिष्ठ नागरिकों को आगामी सहायक उपकरण वितरण शिविर के माध्यम से व्हील चेयर, व्हील चेयर कमोड, स्टूल विथ कमोड, वाकिंग स्टीक एडजेस्टेबल, बैसाखी तीन साईज, टेट्रापेड, फोल्डिंग वाकर, सरवाईकल कालर, श्रवण यंत्र, स्पाईनल सपोर्ट, फुट केयर कीट, वनी ब्रेस, पोलीमर जेल, एल एस बेल्ट वाकर फोल्डिंग, चश्मा सहित अन्य सहायक उपकरण तथा दिव्यांगजनों को ट्रायसायकल, फोल्डिंग व्हील चेयर, मोटराईज ट्रायसायकल, बैसाखी, कोहनी साईज 1 एवं 2 बैसाखी छोटा, मिडियम व बड़ा साईज, वाकिंग स्टीक, ब्रेल केल फोल्डिंग, ब्रेल किट, रोलेटर, श्रवण यंत्र, सीपी चेयर, लेप्रोसी सू, मोबाईल फोन, सुगम्य केन टीएलएम किट, कैलिपर्स जॉय स्टिक व्हील चेयर सहित अन्य सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे।

विधायक ईश्वर सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों व ग्रामीणों ने श्रमदान कर दिया स्वच्छता का संदेश

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत जिले में स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता और सामूहिक सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में साजा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत करमू स्थित चंडी मंदिर परिसर में आज सामूहिक सफाई अभियान का आयोजन किया गया। अभियान में विधायक ईश्वर साहू ने सहभागिता निभाते हुए स्वयं श्रमदान किया और स्वच्छता का संदेश दिया।

सफाई अभियान में जनपद पंचायत अध्यक्ष, मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ), जनपद एवं जिला पंचायत सदस्य, जनप्रतिनिधिगण तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं आम नागरिक शामिल हुए। सभी ने हाथों में झाड़ू एवं सफाई के उपकरण लेकर मंदिर परिसर की साफ-सफाई की। अभियान के दौरान परिसर में जमा कचरे एवं गंदगी को हटाकर आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ एवं व्यवस्थित किया गया।

इस अवसर पर विधायक ईश्वर साहू ने कहा कि स्वच्छता केवल किसी एक व्यक्ति या संस्था की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें समाज के प्रत्येक नागरिक की भागीदारी जरूरी है। सामूहिक प्रयासों से ही गांव, शहर और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाया जा सकता है। उन्होंने लोगों से अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने तथा अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की।

अभियान में जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों की सक्रिय सहभागिता से स्वच्छता के प्रति सकारात्मक वातावरण निर्मित हुआ। चंडी मंदिर परिसर की साफ-सफाई के साथ ही लोगों को सार्वजनिक एवं धार्मिक स्थलों को स्वच्छ रखने के लिए जागरूक किया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने स्वच्छता को अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाने और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संकल्प लिया। स्वच्छता ही सेवा अभियान के माध्यम से जिले में जनभागीदारी के साथ स्वच्छता को बढ़ावा देने और स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुंदर वातावरण निर्माण का संदेश दिया जा रहा है।

योजना का लाभ — बरसात में रात-रात भर जागना, बच्चों की सुरक्षा की चिंता और पक्की छत का अधूरा सपना

पीएम आवास से बदली छेदी साहू की जिंदगी, कच्चे मकान से पक्के आशियाने तक का सफर

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामाजिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिले में चल रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा की कहानी में आज एक ऐसी कहानी सामने आई है, जो बताती है कि सेवा ही सुशासन है और सेवा से ही अंत्योदय संभव है। यह कहानी है ग्राम पंचायत उमरिया के छेदी साहू की, जिनके लिए प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण ने जीवन बदलने वाला सहारा बनकर काम किया।

कच्ची छत के नीचे बीते संघर्ष के साल

ग्राम पंचायत उमरिया, विकासखंड बेमेतरा निवासी छेदी साहू पिता अघनू साहू लंबे समय से अपने परिवार के साथ एक कच्चे और जर्जर मकान में जीवन-यापन कर रहे थे। मिट्टी की दीवारें, टपकता छप्पर और हर बारिश में टूटती उम्मीदें। बरसात में रात-रात भर जागना, बच्चों की सुरक्षा की चिंता और पक्की छत का अधूरा सपना। मजदूरी कर परिवार चलाने वाले छेदी के लिए अपने बलबूते पर पक्का घर बनाना असंभव था।

सेवा संकल्प ने दिया पक्की छत का संबल

इसी दौरान पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण की जानकारी मिली। सेवा संकल्प की भावना से पंचायत ने उनका आवेदन कराया और स्वीकृति मिल गई। योजनांतर्गत हितग्राही को कुल 1,20,000 रुपये की सहायता दी जाती है। छेदी साहू को प्रथम किश्त 40,000 रुपये 1 नवंबर 2025 को प्राप्त हुई, साथ ही मनरेगा अभिसरण से 90 दिवस की मजदूरी भी मिली।

अब बदली है तस्वीर, लौटी है मुस्कान

आज छेदी साहू का पक्का मकान बनकर तैयार है। मजबूत दीवारें, पक्की छत और सुरक्षित घर। अब बारिश में पानी नहीं टपकता, आंधी-तूफान का डर नहीं। बच्चों को पढ़ने के लिए अच्छा माहौल मिला है और परिवार सम्मान के साथ जीवन जी रहा है। यह केवल एक मकान नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और स्थायित्व की नई नींव है।

छेदी साहू ने भावुक होकर कहा - "पहले कच्चे मकान में बहुत तकलीफ थी। प्रधानमंत्री आवास योजना से मेरा बरसों पुराना सपना पूरा हुआ। आज मेरा परिवार सुरक्षित और खुशहाल है। इस सेवा के लिए मैं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।"

सेवा ही संकल्प, अंत्योदय ही लक्ष्य

छेदी साहू की यह कहानी इस बात का प्रमाण है कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में शुरू की गई जनकल्याणकारी योजनाएं अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंच रही हैं और छत्तीसगढ़ सरकार उसे धरातल पर साकार कर रही है। यही तो है सेवा संकल्प अभियान की असली भावना।

लगातार बारिश ये नदी-नालों से दूर रहें जलमग्न मार्गों पर आवागमन से बचें

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

जिले में लगातार हो रही बारिश और नदी-नालों के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जिला प्रशासन ने नागरिकों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। प्रशासन ने लोगों से नदी-नालों, तालाबों एवं तेज बहाव वाले क्षेत्रों से दूर रहने तथा जलमग्न पुल, पुलिया और रपटों को पार करने का प्रयास नहीं करने कहा है। नागरिकों से अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपील की गई है।

जिला प्रशासन ने ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों के नागरिकों से अपील की है कि जिन पुल-पुलियों, रपटों अथवा सड़कों पर पानी बह रहा हो, वहां से आवागमन न करें। जिला प्रशासन, पुलिस, नगर सेना, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन की टीमें सतर्क हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी रखी जा रही है तथा संभावित आपात स्थिति से निपटने के लिए राहत एवं बचाव संबंधी तैयारियां की गई हैं। नागरिकों से मौसम संबंधी चेतावनियों पर ध्यान देने तथा अफवाहों से बचने की अपील की गई है। किसी भी बाढ़, जलभराव अथवा अन्य आपदा संबंधी आपात स्थिति में जिला बाढ़ नियंत्रण कक्ष के दूरभाष क्रमांक 07820-299631 पर संपर्क किया जा सकता है। इसके अलावा पुलिस कंट्रोल रूम 94792-47401 पर भी सूचना दी जा सकती है। अनुविभागीय स्तर पर एसडीएम खैरागढ़ 07820-299315 एवं 8839474206 तथा एसडीएम गंडई-छुईखदान 07743-263530 एवं 9407620657 पर संपर्क किया जा सकता है। तहसील स्तर पर खैरागढ़ 07820-224230, छुईखदान 07743-263503, गंडई 07743-260506 तथा साल्हेवारा 07743-299647 एवं 9009832630 पर आवश्यक सहायता एवं जानकारी के लिए संपर्क किया जा सकता है।

शिवनाथ उफान पर : परसदा में 60 लोगों का रेस्क्यू

महमरा एनीकट 12 फीट ऊपर, खारुन नदी के पानी से जगदीश बाड़ी में जलभराव, बुजुर्गों-महिलाओं और बच्चों को एसडीआरएफ ने सुरक्षित निकाला

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई-पाटन

जिले में लगातार बारिश और जलाशयों से छोड़े जा रहे पानी के चलते शिवनाथ नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। नदी का जलस्तर खतरे के निशान तक पहुंचने के बीच कुम्हारी थाना क्षेत्र के ग्राम परसदा स्थित जगदीश बाड़ी में जलभराव से घिरे 60 लोगों को SDRF और नगर सेना की टीम ने रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाला। इनमें बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। राहत और बचाव अभियान करीब दो घंटे चला और सभी को सुरक्षित राहत स्थल तक पहुंचाया गया।

रात में मिली सूचना, सुबह शुरू हुआ रेस्क्यू

जिला सेनानी, नगर सेना, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं के कार्यालय के अनुसार, 25 सितंबर की रात 11:15 बजे ग्राम परसदा के जगदीश बाड़ी क्षेत्र में परिवारों के जलभराव में घिरे होने की सूचना मिली। इसके बाद जिला सेनानी के निर्देश पर SDRF दुर्ग की टीम आवश्यक जीवनरक्षक उपकरणों के साथ मौके के लिए रवाना हुई।

दो घंटे चला सघन अभियान

SDRF/नगर सेना की टीम ने 26 सितंबर की सुबह 5:30 बजे से 7:30 बजे तक लगातार दो घंटे रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। मोटर बोट (OBM), लाइफ जैकेट, लाइफ रिंग और रेस्क्यू रोप्स की मदद से जलमग्न मकानों में फंसे कुल 60 नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। रेस्क्यू किए गए लोगों में बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को प्राथमिकता देते हुए सुरक्षित राहत स्थल तक पहुंचाया गया। राहत एवं बचाव अभियान में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

तटवर्ती गांवों पर बढ़ा खतरा

जिला सेनानी एवं SDRF प्रभारी तथा जिला अग्निशमन अधिकारी नागेंद्र सिंह ने बताया कि शिवनाथ नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण तटवर्ती ग्रामों के डंडेसरा और चंगोरी क्षेत्र की ओर पानी भरा है। फिलहाल इन क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति नहीं है, लेकिन शिवनाथ नदी का जलस्तर खतरे के निशान तक पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि जलस्तर में थोड़ी भी और वृद्धि होने पर बाढ़ की स्थिति निर्मित हो सकती है।

35 हजार क्यूसेक से ज्यादा पानी बैराजों से छोड़ा जा रहा

जल संसाधन विभाग के एसडीओ गौरव सिंह के अनुसार, 26 सितंबर सुबह 7 बजे विभिन्न जलाशयों/बैराजों से कुल 20,090 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा था। इसी तरह मोंगरा बैराज — 8,000 क्यूसेक, घुमरिया — 1,750 क्यूसेक, सूखा नाला — 7,700 क्यूसेक, खतूतौला — 2,640 क्यूसेक छोड़ा जा रहा है। इसके अलावा तांदुला जलाशय से करीब 15,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। इस तरह शिवनाथ नदी में जलाशयों से कुल मिलाकर करीब 35 हजार क्यूसेक पानी पहुंच रहा है।

महमरा एनीकट 12 फीट ऊपर

लगातार बढ़ते जलप्रवाह के बीच महमरा एनीकट करीब 12 फीट ऊपर पानी बह रहा है। जल संसाधन विभाग के अनुसार 12 फीट से अधिक जलस्तर होने की स्थिति में बाढ़ की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे में नदी किनारे बसे गांवों और निचले इलाकों में प्रशासन एवं रेस्क्यू टीमों द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है।

फिलहाल स्थिति नियंत्रण में, लेकिन खतरा बरकरार

परसदा में 60 लोगों के सफल रेस्क्यू के बाद सभी नागरिकों को सुरक्षित राहत स्थल तक पहुंचा दिया गया है। प्रशासन के अनुसार फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन शिवनाथ नदी में लगातार बढ़ रहा जलप्रवाह और जलाशयों से छोड़ा जा रहा पानी तटवर्ती एवं निचले इलाकों के लिए खतरे की स्थिति बनाए हुए है।

बिहार में नाबालिग लड़कियों से जबरन डांस, छत्तीसगढ़ की तीन लड़कियां मुक्त

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर-भोजपुर

बिहार के भोजपुर जिले में ऑर्केस्ट्रा और शादी-बर्थडे पार्टियों में नाबालिग लड़कियों से जबरन डांस कराने का मामला सामने आया है। बिहार पुलिस और एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट ने रतनपुर गांव में छापेमारी कर छत्तीसगढ़ की तीन नाबालिग लड़कियों को मुक्त कराया है। पुलिस ने इस मामले में भोजपुर के रंजीत सिंह उर्फ गुड्डू सिंह और छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले की सलमा बेगम को गिरफ्तार किया है। दोनों पर बच्चियों को डांस कराने और उनके श्रम का भुगतान नहीं करने समेत गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

भोजपुर पुलिस के अनुसार तीनों बच्चियों को रतनपुर गांव में रंजीत सिंह के ठिकाने पर रखा गया था। सूचना मिलने के बाद भोजपुर एसपी अवधेश कुमार दीक्षित के निर्देश पर सदर एसडीपीओ-1 सह साइबर डीएसपी रौशन कुमार के नेतृत्व में टीम बनाई गई। महिला पुलिसकर्मियों की टीम ने गुरुवार शाम ठिकाने पर दबिश दी और तीनों नाबालिगों को सुरक्षित बाहर निकाला। पुलिस के सामने बच्चियों ने बताया कि उनसे शादी और जन्मदिन की पार्टियों में डांस कराया जाता था। उनका आरोप है कि लंबे समय तक काम कराने के बावजूद उन्हें एक भी पैसा नहीं दिया गया। मामले की जानकारी बाल कल्याण समिति को भी दी गई है।

जांच में छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले की सलमा बेगम का नाम सामने आया है। स्थानीय रिपोर्ट के मुताबिक सलमा को मुक्त कराई गई बच्चियों की कथित मौसी बताया गया है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया कि रंजीत सिंह ने सलमा के माध्यम से बच्चियों को छत्तीसगढ़ से बिहार बुलाया था। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट, किशोर न्याय अधिनियम और बंधुआ मजदूरी कानून के तहत अपराध दर्ज किया है। तीनों बच्चियों को फिलहाल संरक्षण में रखा गया है।

डीजी जेल हिमांशु गुप्ता ने केंद्रीय जेल, राज्य की प्रथम महिला खुली जेल का किया शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

डीजी, जेल हिमांशु गुप्ता के कर कमलों से केंद्रीय जेल, रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्य की पहली महिला खुली जेल (वीमेन ओपन करेक्शनल इंस्टीट्यूशन - ओ.सी.आई.) का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर योगेश सिंह क्षत्री (जेल अधीक्षक), श्रीमती खुशबू मिश्रा (महिला ओपन जेल प्रभारी) एवं जेल विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ राज्य में पहली बार इस प्रकार की महिला ओपन जेल प्रारंभ की गई है। रायपुर जेल में उपलब्ध अधोसंरचना का उपयोग करते हुए ओपन जेल खोला गया है।इस ओपन जेल में 25 महिला बंदिनियाँ रहेंगी। ये महिला बंदिनी सुबह विभिन्न कार्य करने के लिए जेल के बाहर निकलेंगी तथा शाम को कार्य पूर्ण कर लॉकअप होने के पूर्व जेल में वापस आ जाएंगी।

महिला बंदिनियों को जेल की ऊंची दीवारों के बाहर मंदिर के पास स्थित परिसर में सिलाई सेन्टर, ब्यूटी पार्लर एवं जेल उत्पादों के बिक्री केंद्र में रोजगार दिया जाएगा। उनके लिए रोजगार के अन्य वैकल्पिक साधन भी उपलब्ध रहेंगे।

मन को दुनिया का कितना भी धन दे दो, फिर भी वह भिखारी ही रहेगा

समता भवन में चातुर्मास प्रवचन के दौरान अक्षयमुनिजी मसा ने कहा—जीव दया और करुणा को बनाएं जीवन का लक्ष्य

नई दृष्टिबिंदु / बालोद

समता भवन बालोद में चातुर्मास के तहत आयोजित प्रवचन श्रृंखला में शासन दीपक अक्षयमुनिजी मसा ने कहा कि भगवान महावीर ने प्राणी मात्र के आनंद और कल्याण के लिए उपदेश दिए। प्रत्येक व्यक्ति आनंद पाने का अधिकारी है। जब व्यक्ति स्वयं परेशान रहता है तो उसके भीतर दया और करुणा के भाव विकसित होना कठिन हो जाता है।

उन्होंने कहा कि बाहरी परिस्थितियों को बदलना सरल है, लेकिन अपनी अंतरात्मा और चेतना को जागृत करना कठिन कार्य है। समाज की टोका-टोकी और विरोध के बावजूद व्यक्ति को जीव दया, करुणा और प्रेम को अपने जीवन का लक्ष्य बनाना चाहिए। कार्य करते समय पारदर्शिता बनाए रखना आवश्यक है।

तपस्वियों के अभिनंदन कार्यक्रम में बालोद शहर की महिलाओं ने तपस्या की अनुमोदना की

अक्षयमुनिजी मसा ने कहा कि करुणा से प्रेरित व्यक्ति की सोच अलग होती है। गौशाला खोलने का विचार करने वाले व्यक्ति को भी समाज के विरोध और आरोपों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन सेवा और करुणा का मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि मन को दुनिया का कितना भी धन दे दिया जाए, फिर भी उसकी इच्छाएं समाप्त नहीं होतीं। भगवान महावीर ने बताया कि स्वर्ण के कैलाश पर्वत के समान धन मिलने पर भी मनुष्य को संतुष्टि नहीं मिलेगी। इसलिए व्यक्ति को बाहरी संग्रह के बजाय अपनी चेतना को जागृत करना चाहिए।

उन्होंने ईमानदारी को व्यापार की नीति बताते हुए कहा कि विपरीत कर्म के उदय में तंत्र-मंत्र भी काम नहीं आता। किसी को मारने में बहादुरी नहीं, बल्कि किसी की सेवा करना और किसी का जीवन बचाना वास्तविक मानवता है। उन्होंने संयुक्त परिवार में रहने, अहंकार से दूर रहने और सुख-दुख को आने-जाने वाला समझकर शांतिपूर्वक जीवन जीने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा वही है, जो जीवन को महान बनाए।

दो महिलाओं ने ग्रहण किया उपवास तप का संकल्प

तपस्या क्रम के तहत धर्मसभा में श्रीमती सोनम श्रीश्रीमाल ने 27 उपवास तथा श्रीमती रितु बाफना ने 26 उपवास की तपस्या का संकल्प मुनिश्री से ग्रहण किया। धर्मसभा में आवरी माता, राजस्थान, राजनांदगांव, डौंडी सहित विभिन्न क्षेत्रों से धर्मप्रेमी श्रद्धालु उपस्थित रहे।

इस बार कक्षा सातवीं के सहायक वाचन पाठ्यक्रम में "गुरु घासीदास और सतनाम पंथ" लेख को किया गया शामिल

नई दृष्टिबिंदु / सोमनी

राजनांदगाँव जिले के साहित्यकार ग्राम फरहद, सोमनी निवासी डॉ. दादूलाल जोशी द्वारा लिखित लेख गुरु घासीदास और सतनाम पंथ" इस बार कक्षा सातवीं के सहायक वाचन पुस्तक में विद्यार्थियों के अध्ययन हेतु राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एस सी ई आर टी) रायपुर द्वारा शामिल किया गया है।

विदित हो कि केन्द्र सरकार की नयी शिक्षा नीति 2020 के अनुसार विद्यार्थियों को देश और प्रदेश के महान पुरूषों के जीवन और कार्य से अवगत कराने के मकसद से राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के द्वारा पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। छत्तीसगढ़ हिन्दी प्रसार भारती के अध्यक्ष एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद रायपुर के सदस्य बलदाऊराम साहू ने उक्त लेख को लिखने के लिये डॉ. दादूलाल जोशी को सुझाव दिया था। श्री साहू के सुझाव के अनुरूप डॉ. जोशी ने इस लेख को तैयार किया है। इस पाठ के माध्यम से विद्यार्थियों को गुरु घासीदास जी की शिक्षा सत्य और अहिंसा का पालन, सात्विक जीवन जीना, तथा मनखे मनखे एक बरोबर के बारे में जानकारी मिलेगी। यह पाठ सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने की दिशा में अत्यन्त प्रेरक साबित होगा।

राजनांदगाँव जिले के साहित्यकार डॉ. दादूलाल जोशी की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर है। उनके साहित्य संसार पर शोध करके एक छात्रा ने गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर से एम.फिल. की डिग्री प्राप्त की है। इसी तरह उन पर डॉ. इन्द्र बहादुर सिंह (मुबई महाराष्ट्र) निवासी लेखक ने "भाषा के विविध रूप और लघु पत्रकारिता को डॉ. दादूलाल जोशी का प्रदेय" नामक ग्रंथ का तथा डॉ. संतराम देशमुख "विमल" (दुर्ग) ने "साहित्य का सामाजिक स्वरूप और डॉ. दादूलाल जोशी की रचना धर्मिता" ग्रंथ का लेखन किया है। डॉ. जोशी ने 10 वर्षों तक साहित्यिक पत्रिका" विचार विन्यास" का कुशलता पूर्वक संपादन प्रकाशन किया है।

इस उपलब्धि पर डॉ. जोशी को सोमनी क्षेत्र के अनेक प्रबुद्ध बुद्धिजीवियों एवं नागरिकों ने उन्हें बधाई दी है।

लड़कियों के दो गुटों के बीच मारपीट

बिलासपुर। जिले में लड़कियों के दो गुटों के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। वीडियो में कुछ लड़कियां एक युवती को लात-घूंसों से पीटने के साथ उसके बाल खींचती नजर आ रही हैं। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच पुरानी रंजिश थी। शुक्रवार रात किसी ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र में कुदुदंड पुल के पास का बताया जा रहा है। आरोप है कि झगड़े में शामिल एक लड़की ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर मारपीट का स्टेटस लगाया और लिखा - कैसा लगा। पुलिस के मुताबिक, शिकायत मिलने के बाद मामले में कार्रवाई की जाएगी। वायरल वीडियो में नीले कपड़े में नजर आ रही युवती की पहचान तान्या अली के रूप में बताई जा रही है। पहले भी सिरगिट्टी थाना क्षेत्र में इसके मारपीट का वीडियो वायरल हो चुका है। उस मामले में तत्कालीन सिरगिट्टी थाना प्रभारी किशोर केवट के कार्यकाल में केस दर्ज किया गया था।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100